लखनऊ

बुधवार, 16 सितंबर, 203

वर्ष : 12 । अंक: 23

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

डर से कभी मत डरो, इसका सामना करो, जीत हमेशा आपकी होगी।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

घर में रखे फ्रिज में जोरदार धमाके के बाद लगी भीषण आग, एक ही परिवार के 4 लोग जिंदा जले

बेलागावी। कर्नाटक के बेलगावी शहर में सोमवार देर रात अग्निकांड में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना शहर के चवहत गली इलाके की है और मार्केट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य रात के समय घर के अंदर मौजूद थे। इसी दौरान घर में रखे फ्रिज में अचानक धमाका हुआ। धमाके के बाद फ्रिज में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि घर के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का पर्याप्त मौका नहीं मिल सका। कई लोग आग के बीच फंस गए और उनकी मौके पर ही झुलसकर मौत हो गई। हादसे में मरने वालों की पहचान गजानन डमोने (65), रोशन डमोने (21), शारदा डमोने (45) और भारती राडमोने (50) के रूप में हुई है। वहीं प्रिया डमोने (28) और गंगा डमोने (25) आग की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद घर के अंदर तलाशी ली गई, जिसमें चार लोगों के शव बरामद हुए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक परिवार दिहाड़ी मजदूरी करके अपना जीवन-यापन करता था।

लॉरेंस गैंग के करीबी कर्मवीर देओ पर पंजाब पुलिस का शिकंजा, कनाडा से डिपोर्ट होकर दिल्ली पहुंचते ही गिरफ्तार

नई दिल्ली। कनाडा से भारत डिपोर्ट किए गए गैंगस्टर कर्मवीर देओ को पंजाब पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। कर्मवीर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी बताया जाता है। आरोप है कि वह विदेश में रहकर गैंग के सदस्यों को पनाह और अन्य तरह की मदद मुहैया कराता था। पंजाब पुलिस ने उसके खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किया हुआ था। कनाडा से भारत पहुंचते ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। कर्मवीर देओ पर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को भारत से फरार होने में मदद करने का आरोप है। बताया जाता है कि अनमोल अमेरिका में कर्मवीर के घर पर भी रुका था। अनमोल का अमेरिका में पंजाबी गायकों के साथ डांस और पार्टी करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। दावा किया गया था कि यह वीडियो कर्मवीर के घर का है। इसके बाद अनमोल को पनाह देने में कर्मवीर की भूमिका को लेकर भी सवाल उठे थे। आरोप है कि कर्मवीर की भूमिका केवल अनमोल बिश्नोई को अपने घर पर ठहराने तक सीमित नहीं थी। बताया जाता है कि अमेरिका पहुंचने वाले लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों को वह शेल्टर उपलब्ध कराता था। इसके अलावा गैंग से जुड़े लोगों को कानूनी मदद मुहैया कराने में भी उसकी भूमिका बताई जाती है।

'अंतहीन युद्ध की जगह शांति जरूरी'

जयशंकर ने बताया भारत का कूटनीतिक एजेंडा, कहा- दुनिया में बढ़ा हमारा प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर विनिर्माण का एक तिहाई हिस्सा एक ही भौगोलिक क्षेत्र में केंद्रित होना गंभीर परिणाम पैदा करता है। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि जिन देशों को अपनी प्रधानता में कमी आती दिख रही है, वे अब उन नियमों में विश्वास नहीं करते, जिन्हें उन्होंने खुद बनाया था।

जयशंकर ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाना और बाजार पर किसी एक क्षेत्र के प्रभुत्व के प्रभाव को कम करना अब प्रमुख प्राथमिकताएं बन गई हैं। उन्होंने कहा कि मांग के स्तर पर शुल्क में अस्थिरता ने पहले से कमजोर हो चुकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

भारत की जीडीपी को लेकर

वैश्विक संघर्षों पर क्या बोले एस जयशंकर?

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'तकनीकी प्रतिस्पर्धा से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के अलग-अलग हिस्सों में बंटने का खतरा है, जबकि तकनीक का प्रसार अप्रत्याशित बदलाव ला सकता है।' उन्होंने कहा कि भारत जब संवाद और कूटनीति की वकालत करता है और इस बात पर जोर देता है कि अंतहीन युद्ध की जगह शांति को लेनी चाहिए, तो इसके पीछे भारत की अपनी सोच है।

क्या बोले विदेश मंत्री?

जयशंकर ने कहा कि पिछले करीब एक दशक में भारत का सकल घरेलू उत्पाद दोगुना हुआ है और कई क्षेत्रों में देश की क्षमताएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, 'आज दुनिया भारत को बहुत अलग नजरिए से देखती है। यह केवल आंकड़ों, आकार या मात्रा का मामला नहीं है। इसका दुनिया में हमारी मौजूदगी, दूसरे देशों के साथ हमारे संबंधों की गहराई और प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर हमारी प्रासंगिकता पर सीधा असर पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'हम पहले से अधिक महत्वपूर्ण हैं, हमारा प्रभाव बढ़ा है और इसके साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ी है।'

स्वतंत्र भारद्वाज को बड़ी राहत, कोर्ट से 3 हफ्ते की मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने 'राइट-विंग इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज को तीन हफ़्ते की अंतरिम ज़मानत दे दी है। उन पर जुलाई में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान 'कॉकरोच जनता पार्टी' के एक कार्यकर्ता के पिता के साथ कथित मारपीट का आरोप है। यह आदेश एडिशनल सेशंस जज सौरभ प्रताप सिंह ललेर ने सुनाया। भारद्वाज को 50,000 रुपये के ज़मानती बॉन्ड और उतनी ही राशि की ज़मानत पर अंतरिम राहत दी गई।

यह मामला SC/ST एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। 21 साल के इस युवक को पिछले हफ़्ते 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इस इन्फ्लुएंसर को इस महीने की शुरुआत में बुलंदशहर में हिरासत में लिया गया था। यह कार्रवाई CJP द्वारा कथित हमले के मामले में उसकी गिरफ़्तारी की मांग को लेकर पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के कुछ घंटों बाद की गई थी।

उसे हिरासत में लेने का फ़ैसला एक इंटरव्यू को लेकर मचे हंगामे के बीच लिया गया। इस इंटरव्यू में भारद्वाज ने दावा किया था कि उसने विरोध प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट एक्टिविस्ट के पिता का रसिर फोड़ दिया थाद और अपने राजनीतिक संपर्कों की वजह से गिरफ़्तारी से बच निकला था। बाद में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने आत्मरक्षा में ऐसा किया था।

यूएस के दबाव में झुकी सरकार, राहुल गांधी का आरोप- महंगे होंगे यूपीआई पेमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर ज़्यादा कीमत वाले यूपीआई ट्रांज़ैक्शन पर शुल्क लगाने का रास्ता साफ़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस कदम से आगे चलकर ग्राहकों के लिए डिजिटल पेमेंट महंगा हो सकता है। यूपीआई चार्ज पर सरकार के हालिया नोटिफिकेशन पर प्रतिक्रिया देते हुए, गांधी ने दावा किया कि सरकार ने 2,000 से ज़्यादा के मर्चेंट ट्रांज़ैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लगाने का रास्ता चुपचाप खोल दिया है।

गांधी ने कहा कि अब 2,000 से ज़्यादा के मर्चेंट UPI ट्रांज़ैक्शन पर MDR लगाया जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि भले ही ऐसे ट्रांज़ैक्शन कुल वॉल्यूम का एक छोटा हिस्सा हों, लेकिन UPI के ट्रांज़ैक्शन वैल्यू में इनका हिस्सा बहुत बड़ा है। हालांकि, सरकार ने अभी तक MDR रेट की घोषणा नहीं की है और न ही ₹2,000 से ज़्यादा के UPI ट्रांज़ैक्शन पर कोई चार्ज लगाया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी ताज़ा नोटिफ़िकेशन में साफ़ कहा गया है कि बैंक और सिस्टम प्रोवाइडर ₹2,000 तक के यूपीआई ट्रांज़ैक्शन या RuPay-पावर्ड डेबिट कार्ड से किए गए पेमेंट पर कोई डायरेक्ट या इनडायरेक्ट चार्ज नहीं लगा सकते। नए फ्रेमवर्क के तहत सरकार उन इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट तरीकों या ट्रांज़ैक्शन की जानकारी दे सकती है जिन पर कोई चार्ज नहीं लगेगा। 14 सितंबर के नोटिफिकेशन में खास तौर पर 2,000 रुपये तक के UPI ट्रांज़ैक्शन को छूट दी गई है, जबकि इससे ज़्यादा रकम वाले ट्रांज़ैक्शन पर यह छूट लागू नहीं होगी। इस बदलाव से ऐसी उम्मीदें बढ़ गई हैं कि आगे चलकर ज़्यादा रकम वाले 'पर्सन-टू-मर्चेंट' (P2M) ट्रांज़ैक्शन पर MDR लागू किया जा सकता है।

भारत डिफेंस एक्सपोर्टर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंगलवार को यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि बीते कुछ वर्षों में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत में नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं। यही छोटे उद्यम नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म देते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर सकते हैं। डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक 'विमर्श 2026' में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये उद्यम बड़े रक्षा तंत्रों के घटक व उप-तंत्रों से लेकर अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी तक विकसित कर रहे हैं। अब डीआरडीओ व उद्योगों की साझेदारी केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। रिसर्च, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी श्रृंखला में साझेदारी बढ़ानी होगी। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई व स्टार्टअप को भी रक्षा आपूर्ति श्रृंखला का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा, आज डीआरडीओ के पास ज्ञान और प्रौद्योगिकी है, इंडस्ट्री के पास विस्तार और विनिर्माण क्षमता है, स्टार्टअप के पास नवाचार और तेजी से काम करने की क्षमता है और हमारे युवाओं के पास नए भारत का सपना है। जब ये चारों शक्तियां एक साथ आएंगी, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रह जाएगा। जब ये चारों शक्तियां एक दिशा में आगे बढ़ेंगी, तो भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया की कोई शक्ति रोक नहीं सकती। उन्होंने बताया कि आज जारी की गई नई नीतियां और दिशानिर्देश भी उद्योग के लिए नई संभावनाएं लेकर आए हैं। इनका फोकस उद्योग के नेतृत्व वाले रिसर्च एवं डेवलपमेंट, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के वित्त पोषण को बढ़ावा देना है। शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग व एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग व हाइपरसोनिक जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में निवेश को बढ़ावा देने पर फोकस किया गया है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने सीईओ चयन पर भ्रम किया दूर, बताया- प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन को लेकर कुछ मीडिया में चल रही गलत जानकारी पर स्पष्टीकरण जारी किया है। न्यास के महासचिव स्वामी गोविंद देव गिरी की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि न्यास तथ्यों को स्पष्ट करना चाहता है ताकि गलत जानकारी को संबोधित किया जा सके। न्यास ने प्रलेखित तथ्य साझा करते हुए बताया कि 6 जुलाई 2026 को खोज समिति का गठन किया गया था। खोज समिति को कुल 5,585 आवेदन प्राप्त हुए थे। तीन शहरों, दिल्ली एनसीआर, पुणे और संबलपुर, में एआई स्क्रीनिंग और मैनुअल विशेषज्ञता के जरिए बहु-स्तरीय मूल्यांकन किया गया।

बलिया में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर कर हत्या, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में कुछ लोगों के एक समूह ने लाठियों से पीट-पीटकर 35 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। यह घटना सोमवार रात को मालीपुर गांव से आगे कैथी (मथिया) के पास घटी, जब आरोपियों ने उस मोटरसाइकिल को रोका जिस पर उमेश चौरसिया यात्रा कर रहे थे और उन पर लाठियों से हमला किया। पुलिस के अनुसार, उभाओं थाना क्षेत्र के करणी गांव का निवासी चौरसिया सोमवार देर शाम मालीपुर से पूजा सामग्री लेकर घर लौट रहा था। वह अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर शाम करीब 7:45 बजे कैथी (मठिया) इलाके में पहुंचा। पुलिस ने बताया कि इलाके में घात लगाकर बैठे बदमाशों के एक समूह ने उसकी मोटरसाइकिल रोककर उस पर लाठियों से हमला किया। हमलावरों की संख्या चार से छह के बीच बताई जा रही है। चौरासिया हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोग उन्हें सीर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए।

गुरुग्राम हिट एंड रन केस में बड़ा एक्शन, आरोपी कल्याण बैंसला दौसा से गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइक राइडर को कार से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला को राजस्थान के दौसा से गिरफ्तार कर लिया है। हादसे का वीडियो बाइक पर लगे कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था, जो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आया। जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने केस में क्वहत्र की धारा 109 (हत्या के प्रयास) भी जोड़ दी है। सीसीटीवी फुटेज से जांच में मिली अहम जानकारी पुलिस के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद सेक्टर-56 थाने में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। वीडियो और सीसीटीवी समेत सामने आए अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले में धारा 109 बीएनएसजोड़ी और आरोपी की तलाश शुरू की।

राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा के 3 मददगार गिरफ्तार, आतंकियों के गाइड बनकर दिखाते थे रास्ता

राजौरी, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ओवर ग्राउंड वर्कर नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी आतंकवादियों को लॉजिस्टिकल सपोर्ट देने, उनकी सुरक्षित आवाजाही में मदद करने और जमीनी स्तर पर अन्य सहायता उपलब्ध कराने में कथित तौर पर शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जाकिर हुसैन पुत्र गुलाम हुसैन निवासी कोटचरवाल टेरियाथ, राजौरी, मोहम्मद आजम पुत्र अली बहादुर निवासी कोटचरवाल टेरियाथ, राजौरी और मोहम्मद मुश्ताक पुत्र मोहम्मद इकबाल निवासी उधान, राजौरी के रूप में हुई है। तीनों आरोपी राजौरी जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने पीर पंजाल इलाके में सक्रिय एक आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार किया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित तौर पर आतंकवादियों को लॉजिस्टिकल सहायता, सुरक्षित ठिकाने और आवाजाही में मदद मुहैया कराते थे।

जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी कथित तौर पर गाइड के रूप में काम करते थे और आतंकवादियों को पीर पंजाल क्षेत्र से कश्मीर घाटी की ओर जाने में मदद करते थे। पुलिस को संदेह है कि उन्होंने नागरिकों पर हमलों समेत कई बड़े आतंकी हमलों में शामिल आतंकवादियों को जमीनी स्तर पर सहायता उपलब्ध कराई थी। जांच के दौरान एक आरोपी की निशानदेही पर भारी मात्रा में आईईडी बरामद की गई। शुरुआती जांच के अनुसार, यह आईईडी कथित तौर पर आतंकी संगठन के सदस्यों ने आरोपी को सुरक्षित रखने के लिए सौंपी थी।

चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र ने किया मंजूर, 17 साल की बची नौकरी को कहा अलविदा

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर की तेजतर्रार और चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र सरकार ने औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। अपनी सख्त कार्यशैली और प्रशासनिक फैसलों के लिए पहचानी जाने वाली 2013 बैच की आईएएस दिव्या मित्तल ने बीते 30 अगस्त को निजी कारणों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और जिंदगी के एक नए उद्देश्य का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया था। इस्तीफा मंजूर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा करते हुए राष्ट्रकवि जयशंकर प्रसाद के मशहूर नाटक 'चंद्रगुप्त' की प्रेरक पंक्ति लिखी- प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।

इस्तीफा मंजूर होने की आधिकारिक सूचना मिलने से ठीक दो दिन पहले दिव्या मित्तल माता वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंची थीं। वहां से अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा था, आगे की राह कठिन हैज्ज सद्बुद्धि देना मां। इस पोस्ट के बाद से ही प्रशासनिक गलियारों में उनके भावी कदम को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। दिव्या मित्तल करीब 13 वर्षों तक सरकारी सेवा में रहीं। उन्होंने ऐसे मोड़ पर प्रशासनिक सेवा को अलविदा कहा है, जब उनके सेवाकाल के लगभग 17 साल अभी बाकी थे। मूल रूप से हरियाणा के रेवाड़ी की रहने वाली दिव्या मित्तल की शैक्षणिक पृष्ठभूमि बेहद शानदार रही है। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से बीटेक और आईआईएम बेंगलुरु से एमबीए करने के बाद लंदन में लाखों के पैकेज वाली कॉरपोरेट नौकरी की थी। देश सेवा के जज्बे के साथ वह भारत लौटीं और पहले ही प्रयास में यूपीएससी पास कर गुजरात कैडर में आईपीएस बनीं।

देश को सर्वोच्च प्राथमिकता दें 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' : वित्त मंत्री सीतारमण

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' पीढ़ियों से नेतृत्व संभालने एवं जिम्मेदारी उठाने का आह्वान करते हुए युवा स्नातकों से आग्रह किया कि वे देश को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और यह सोचने के बजाय कि देश ने उनके लिए क्या किया है, यह पूछें कि वे देश के लिए क्या योगदान दे सकते हैं।

सीतारमण ने यहाँ डॉ. एम.जी.आर. शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश युवाओं की आकांक्षाओं को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन वे दायित्व एवं नागरिक कर्तव्य की गहरी भावना के साथ आगे आएं।

उन्होंने कहा, ''चाहे आप स्वयं को 'जेन जी' कहें या 'जेन अल्फा', हम सभी आपकी बात सुनने के लिए तैयार हैं। लेकिन आपको इस बारे में सोचना होगा कि आपके आस-पास क्या हो रहा है, आपकी क्या भूमिका है और आपके ज़रिए देश के लिए क्या हासिल किया जा सकता है।'' वित्त मंत्री ने उत्तीर्ण होने वाले छात्रों से अपने-अपने क्षेत्रों में नेतृत्व संभालने और राष्ट्रीय हित से कभी समझौता न करने का आग्रह किया। उन्होंने दुनिया भर में जारी उन संघर्षों की ओर इशारा किया जिनमें नागरिकों को अपनी ही भूमि से विस्थापित होना पड़ा है।

सीतारमण ने कहा, ''नेतृत्व संभालिए। आपको नेतृत्व करना होगा और देश को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। देश के सुरक्षित और मज़बूत रहने पर ही हमारे पास रहने के लिए घर होगा। हमें कभी भी अपने देश का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।''

भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को रेखांकित करते हुए सीतारमण ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों जैसी अभूतपूर्व वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने आर्थिक स्थिरता बनाए रखी है और 7.8 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। उन्होंने इस स्थिरता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत राजनीतिक नेतृत्व को दिया।

एसएसबी जवान का शव घर पहुंचने पर मचा कोहराम

सोमवार को कांकेर जिले के अंतागढ़ एसएसबी कैंप में हुई थी मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुड़वार/सुल्तानपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के अंतागढ़ एसएसबी कैंप गोली लगने से मृत हुए हवलदार आनंद प्रकाश तिवारी का शव लेकर एसएसबी के जवान घर पहुंचे तो कोहराम मच गया। घर पर मौजूद हजारों लोगों की आंखे नम दिखाई पड़ी। बता दे कि स्थानीय थाना क्षेत्र के नेवरा खादर बसंतपुर गांव निवासी एसएसबी हवलदार आनंद प्रकाश तिवारी(41) पुत्र बलराम तिवारी क सोमवार को गोली लगने से मौत हो गई थी। मंगलवार को उनकी बटालियन 28 वीं एसएसबी के सूबेदार राजेंद्र अन्य लखीमपुर खीरी के जवानों के साथ शव लेकर घर पहुंचे तो कोहराम मच गया। 16 वर्षीय बेटा अनुभव तिवारी पिता के शव को तिरंगे में लिपटा देख सहम सा गया। वही मां राजेश्वरी, पत्नी प्रियंका साहित परिवार जन दहाड़ मार कर रो रहे थे। परिवार को क्या पता था कि एक दिन उनका बेटा तिरंगे में लिपट कर घर आएगा।घर से एसएसबी के जवान परिजनो के साथ शव लेकर स्थानीय राजघाट पहुंचे। जहां उन्हें जवानो द्वारा अंतिम सलामी दी गई। सलामी के बाद एसएसबी के जवान ने तिरंगा उठाकर पिता बलराम तिवारी को यह कहते हुए दिया कि बेटे की याद में इसे राष्ट्रीय पर्वों पर फहराईएगा। उसके बाद परिजनो ने स्थानीय परम्परा के अनुसार अंतिम यात्रा पर विदा किया। बेटे अनुभव द्वारा मुखाग्नि देकर पिता की विदाई की।सुरक्षा की दृष्टि से सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह, एसडीएम सदर गरिमा सौनकिया, राजस्व निरीक्षक शिव प्रसाद,प्रभारी थानाध्यक्ष दिनेश यादव, उपनिरीक्षक अम्बरीश पाठक अपनी टीम के साथ मुस्तैद रहे।

शोक संवेदना प्रकट करने पहुंचे नेता

कुड़वार। जवान के शव घर आने की सूचना पर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा नेता राम चंद्र मिश्रा, पूर्व प्रमुख यशभद्र सिंह मोनू, ओम प्रकाश पांडेय बजरंगी, अखिलेश तिवारी, मनीषा पांडेय आदि मृतक के घर पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधाया।
जहां जन्म हुआ वही नौकरी की और वही से सेवानिवृत्त का सौभाग्य प्राप्त हुआ

हुनर का बादशाह डां .सीएल रस्तोगी के विदाई समारोह में उमड़ा सैलाब

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मंगलवार को जिले के सुप्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सीएल रस्तोगी का स्वशासी राजकीय महाविद्यालय के मुख्य चिकित्साधिक्षक कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डां.प्रियांक वर्मा, मुख्य चिकित्साधिक्षक डॉ.एसी गुप्ता, महिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ.आरके यादव, डां.एसके पांडेय, ट्रामा सेंटर के हड्डी रोग विशेषज्ञ डां.समीर सुमन, डां.पवन सिंह, डां.आरए वर्मा,डां.गौरव, डां.अमोल रिबेलो डां.तारिक खान, डां.एसके श्रीवास्तव, डां.वसीम, डां.रवींद्र कुमार यादव, मैनेजर मीनू पाल, विजय चौधरी, अवनीश शाह, रुद्र वर्मा, फार्मासिस्ट लक्ष्मण स्वरूप, अनुराग गुप्ता, अनुराग पांडेय, विवेक

श्रीवास्तव, अभिषेक, संजू व नर्सिंग स्टाफ मौजूद रही, डां.सीएल रस्तोगी बेहद सरल व शालीन व्यक्तित्व और अपने कार्यों को लेकर जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी रहे है। अस्थि रोग विशेषज्ञ के साथ ही सर्जरी के जादूगर माने जाते है,डां.सीएल रस्तोगी जनपद के डाक्टरों की पहली पसंद माने जाते है, डां.रस्तोगी के सेवानिवृत्त से स्वशासी राजकीय महाविद्यालय का न सिर्फ एक डाक्टर रिटायर्ड हुआ बल्कि एक समाजसेवी, एक बेहतरीन इंसान, मरीजों का एक अच्छा दोस्त और गरीबों की उम्मीद जो कभी भी सख्त लहजे में मरीज और उनके तीमारदारों से पेश न आया हो। डां.सीएल रस्तोगी का मेडिकल कॉलेज से रिश्ता जन्म से शुरु हुआ है, यही पैदा हुए यही नौकरी की शुरुआत और यही से सेवानिवृत्त का सौभाग्य मिला। विदाई समारोह में प्राचार्य डां.प्रियांक वर्मा, सीएमएस डां.एसी गुप्ता व मुख्य चिकित्साधिक्षक डां.आरके यादव ने डां.सीएल रस्तोगी की कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की तथा मौजूद डाक्टर्स व स्वशासी राजकीय महाविद्यालय के स्टाफ ने डां.सीएल रस्तोगी का सदैव आशीर्वाद के साथ सहयोग की अपेक्षा की। डां.सीएल रस्तोगी ने आश्वस्त करते हुए कहाकि जहां भी मेरी जरूरत आपसब को महसूस होगी मैं आपके साथ खड़ा मिलूंगा। कार्यक्रम का संचालन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश गौड ने किया।

मानदेय विसंगति से भड़के यूपी के 4,000 आयुष डॉक्टर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (छभ्ड) के तहत कार्यरत 4,000 आयुष डॉक्टरों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आयुष डॉक्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन (उ.प्र.) ने मानदेय में भारी विसंगति को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। वर्ष 2009-11 में एमबीबीएस और आयुष दोनों डॉक्टरों का मानदेय ₹24,000 समान था। आज एमबीबीएस डॉक्टरों का बेसिक मानदेय बढ़कर ₹1,00,000 महीना हो गया है, जबकि आयुष डॉक्टरों का मानदेय मात्र ₹32,000 पर अटका हुआ है। संगठन ने समान कार्य के लिए समान मानदेय लागू करने की मांग की है। एसोसिएशन ने 20 सितंबर 2026 तक सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। मांग पूरी न होने पर 21 सितंबर 2026 को सुबह 8.00 बजे से प्रदेशभर के आयुष चिकित्सक मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री (स्वास्थ्य मंत्री) के आवास के बाहर लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। डॉ. रामसुरेश राय (अध्यक्ष), डॉ. अनिल गुप्ता (सचिवध्महामंत्री), डॉ. कन्हैया लाल ओझा (कोषाध्यक्ष), मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, डा० संतोष श्रीवास्तव, प्रेमचंद श्रीवास्तव, शिवकुमार यादव डॉ. संजीव पांडेय, डॉ. इन्द्रेश, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. तारिक खान, डॉ. शैलेन्द्र शुक्ला, डॉ. शबाना परवीन, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. रमेन्द्र गंगवार, डॉ. अमित मौर्य, डॉ. विनय पाल विकास गुप्ता, डॉ. सन्तराम, डॉ. शैलेश कुमार, डॉ. शिवम् गुप्ता, डॉ. देवेश तिवारी, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. के.एस. तिवारी मेडिकल ऑफिसर दुबेपुर आदि चिकित्सक व भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

'वहीं बनेगी मस्जिद, कोर्ट में हम जीतेंगे....', सहारनपुर में बोलीं सपा सांसद इकरा हसन

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर कलेक्ट्रेट मस्जिद के विवाद को समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर हवा देने की कोशिश की है। कैराना से सपा सांसद इकरा हसन ने कहा कि मस्जिद वहीं बनेगी और जरूर बनेगी। कहा कि इन्होंने तो उस समय हमें कोर्ट जाने का भी समय नहीं दिया, लेकिन हम कोर्ट से जरूर जीतेंगे। कोर्ट में फैसला हमारे पक्ष में आएगा। सहारनपुर में आयोजित पीडीए के कार्यक्रम में पहुंची इकरा हसन ने कहा कि भाजपा और उत्तर प्रदेश की सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि ये लोग सहारनपुर में मस्जिद के नाम पर दंगा कराना चाहते थे। इसके पीछे इनकी साजिश थी कि युवाओं को जेल भेज दिया जाए। लेकिन इनकी ये साजिश फेल हो गई। इसी क्रम में उन्होंने

UCC के मुद्दे पर भी सरकार को घेरने की कोशिश की। कहा कि ये सरकार जानबूझकर एक पक्ष को निशाना बना रही है। सपा सांसद इकरा हसन का यह बयान इस समय सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थत मस्जिद की जमीन का मामला कोर्ट में लंबित था। प्रशासन का दावा था कि मुस्लिम पक्ष ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर मस्जिद का निर्माण किया था। जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना था कि यह जमीन वक्फ की थी और इस जमीन पर सौ साल से भी अधिक समय से मस्जिद बनी थी। हालांकि कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष के तर्क को खारिज कर दिया था। इसके बाद प्रशासन ने रातोंरात इस मस्जिद पर बुलडोजर चला दिया था।

इकरा हसन ने लगाए ये आरोप

सपा सांसद इकरा हसन के मुताबिक जिला अदालत के आदेश पर अपील करने के लिए मुस्लिम पक्ष को 22 दिन का समय समय मिला था, लेकिन जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश की सरकार ने बिना मौका दिए जल्दबाजी में मस्जिद को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने सरका को घेरते हुए आरोप लगाया कि प्रशासन ने यह कार्रवाई लोकल स्तर पर तनाव पैदा कर राजनीतिक लाभ उठाने के लिए की गई। यहां तक कि खुद उन्हें भी हाउस अरेस्ट कर लिया गया, ताकि वह मौके पर ना जा सकें।

प्रधान-प्रधानाध्यापक की आपसी सहमति में विशालकाय पेड़ का सौदा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भदैयाँ ब्लॉक की सातनपुर ग्राम पंचायत के पूरेबाघराय प्राथमिक विद्यालय में लगा विशालकाय पेड़ इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोप है कि विद्यालय परिसर में खड़े पेड़ को ग्राम प्रधान और प्रधानाध्यापक ने आपसी सहमति से काटकर बेच दिया, लेकिन इस सहमति में विभागीय अनुमति और नीलामी की प्रक्रिया कहां गई, इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है।

मामले का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि पेड़ सरकारी विद्यालय परिसर में खड़ा था और कट भी गया, बिक भी गयाकृलेकिन संबंधित विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। यानी पेड़ ने जाते-जाते सरकारी व्यवस्था की निगरानी पर भी बड़ा सवाल छोड़ दिया। खंड शिक्षा अधिकारी भदैयाँ शिव शंकर मिश्रा ने स्पष्ट किया कि पेड़ काटने के लिए विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। उनका कहना है कि बिना अनुमति और निर्धारित नीलामी प्रक्रिया के विद्यालय परिसर का पेड़ कटवाना नियम विरुद्ध है। मामले की जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उधर ग्राम प्रधान और प्रधानाध्यापक की ओर से आपसी सहमति से पेड़ बेचने की बात कही जा रही है। अब सवाल यह है कि सरकारी विद्यालय परिसर में खड़े पेड़ पर ऐसी कौन-सी 'आपसी सहमति' लागू हो गई, जिसमें विभागीय अनुमति और नीलामी की जरूरत ही नहीं पड़ी। सरकारी संपत्ति के मामले में आपसी सहमति आखिर किस नियमावली का हिस्सा है? यदि हर सरकारी संपत्ति का फैसला इसी तरह आपसी सहमति से होने लगे तो फिर अनुमति, नीलामी और विभागीय प्रक्रिया जैसी व्यवस्थाओं की जरूरत ही क्या रह जाएगी।

लंबित शिक्षक समस्याओं को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ मुखर, 22 को धरने की चेतावनी

सुल्तानपुर। शिक्षकों के लंबित वेतन, जीपीएफ अग्रिम, सामूहिक बीमा, ग्रेच्युटी, पेंशन, एनपीएस, नवीन प्रान आवंटन समेत विभिन्न देयकों के निस्तारण को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने आंदोलन की चेतावनी दी है। मंगलवार को जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा राम बचन राम को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षकों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वैधानिक देयकों के लिए उन्हें कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। संघ ने 21 सितंबर तक लंबित प्रकरणों का समाधान करने की मांग की है। समाधान न होने पर 22 सितंबर को अपराह्न तीन बजे वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

14 करोड़ का सोना और 15 लाख कैश लेकर हुआ फरार, मथुरा में ज्वैलर्स की दुकान में चोरी से हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा के कोसीकलां के सराफा बाजार में जुगल किशोर अमित कुमार ज्वैलर्स की दुकान में हुई करोड़ों की चोरी ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शातिर चोर दुकान से करीब 10 किलो सोने के आभूषण और 15 लाख रुपये की नकदी लेकर फरार हो गया। एक किलो 24 कैरेट सोने की कीमत वर्तमान के बाजार में 1।4 करोड़ रुपये है। हैरानी की बात यह है कि दुकान से महज करीब 100 मीटर की दूरी पर पुलिस पिकेट तैनात रहती है।

वारदात के बाद व्यापारियों में भारी आक्रोश है और उन्होंने मंगलवार शाम तक खुलासा न होने पर बाजार बंद रखने की चेतावनी दी है। भरत मिलाप चौक के पास सराफा बाजार में जुगल किशोर अमित कुमार की ज्वैलरी की दुकान है। रविवार शाम करीब सात बजे जुगल किशोर के बेटे वरुण दुकान बंद कर बलदेव गंज स्थित अपने घर चले गए थे।

सोमवार सुबह जब वरुण दुकान खोलकर अंदर पहुंचे तो एक कमरे का ताला जला हुआ मिला। संदेह होने पर उन्होंने स्ट्रांग रूम की जांच की तो तिजोरी से करीब 10 किलो सोने के आभूषण और 15 लाख रुपये नकद गायब मिले। तिजोरी पर किसी तरह के तोड़फोड़ के निशान नहीं मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि चोर ने चाबी से तिजोरी खोली और माल लेकर फरार हो गया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि चोर पीछे के रास्ते से छत पर पहुंचा और वहां लगा जाल काटकर दुकान के अंदर दाखिल हुआ। इसके बाद स्ट्रांग रूम के बाहर लगे कमरे का ताला तोड़कर वह अंदर पहुंचा। चोर की शातिराना हरकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने स्ट्रांग रूम में रखे चांदी के आभूषण, पीतल के बर्तन और सोने की पानी चढ़ी ज्वैलरी को हाथ तक नहीं लगाया। चोर ने केवल असली सोने के आभूषण और नकदी को निशाना बनाया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक चोर रात करीब 10 बजे दुकान में दाखिल हुआ और सुबह करीब 5 बजे बाहर निकला। यानी वह लगभग सात घंटे तक दुकान के अंदर मौजूद रहा और बेहद इत्मीनान से वारदात को अंजाम देता रहा। चोर को अंदेशा था कि दुकान में लगे CCTV कैमरों में उसकी गतिविधियां कैद हो सकती हैं। इसी वजह से वह दुकान में लगा DVR भी अपने साथ ले गया, ताकि पुलिस को फुटेज से उसकी पहचान न हो सके। हालांकि आसपास लगे दूसरे CCTV कैमरों की फुटेज पुलिस खंगाल रही है। एक नजदीकी CCTV कैमरे में कंधे पर बैग लटकाए एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया है। पुलिस अब उसकी पहचान और आने-जाने के रास्ते की जांच में जुटी है। कोसीकलां राजस्थान और हरियाणा की सीमा से लगा संवेदनशील शहर है। ऐसे में सराफा बाजार में पुलिस पिकेट से महज करीब 100 मीटर दूर इतनी बड़ी चोरी की वारदात होने से पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

रक्तदान कर बचाई जा सकती है कई जिंदगियां

सुलतानपुर। मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के तहत उप्र डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के जनपद सुलतानपुर इकाई की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया और जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अपना योगदान दिया। आयोजकों ने बताया कि 15 सितंबर 2026 को अभियंता दिवस एवं श्रद्धेय स्व. ई. आरके दत्ता जी के निर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रक्तदान को विशेष महत्व दिया गया। रक्तदान करने वाले लोगों ने दूसरों का जीवन बचाने के लिए आगे आने का संदेश दिया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा गया कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समाज के स्वस्थ और जागरूक लोगों को नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

घरों में गंदा पानी, सड़क पर बहा लाखों लीटर गंगाजल, संजय प्लेस में लीकेज की तस्वीर आई सामने

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के संजय प्लेस में जोनल पंपिंग स्टेशन में पाइपलाइन लीक होने के कारण सड़क पर पानी पूरे दिन फैलता रहा। लोगों के घरों में नलों की जगह सड़कों पर गंगाजल बहकर बर्बाद हो गया। लाखों लीटर पानी संजय प्लेस जोनल पंपिंग स्टेशन और सेंट पीटर्स रोड पर भर गया। स्कूली बच्चों के साथ क्षेत्रीय लोगों को भी इससे परेशानी का सामना करना पड़ा। संजय प्लेस एचआईजी फ्लैट्स को इस लाइन से जलापूर्ति होती है, इस वजह से प्रेशर कम होने से कई घरों में पानी ही नहीं पहुंचा। राहगीर अमित कुमार सिंह ने बताया कि संजय प्लेस में वह काम से आए थे लेकिन यहां काफी पानी भरा मिला।

संजय प्लेस जोनल पंपिंग स्टेशन के अंदर से ही पानी बाहर फैलता हुआ आया। यहां काफी ढलान है। पानी सेंट पीटर्स रोड पर बने कचरा ट्रांसफर स्टेशन तक आ गया। पूरे दिन यह लीकेज बना रहा, जिससे जलभराव से होकर ही यहां से लोग निकले। इस ऑफिस के पास ही केंद्रीय सरकार के कार्यालय हैं, जहां पानी भर गया।

जलकल के अधिशासी अभियंता संघभूषण ने बताया कि लीकेज लाइन से संजय प्लेस एचआईजी फ्लैट्स को जलापूर्ति होती है। इससे यहां प्रभाव पड़ा। एक लीकेज की मरम्मत करा दी गई, लेकिन दूसरे की मरम्मत का काम मंगलवार को कराया जाएगा।

विदेशों में छाया आगरा का जूता, चार महीने में 1,613 करोड़ का निर्यात, चमड़े के जूतों का नहीं है कोई तोड़

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। ताजनगरी के जूता निर्यात उद्योग ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही अप्रैल-जुलाई में मजबूत बढ़त हासिल की है। काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार आगरा के निर्यातकों का कुल निर्यात 8.07 प्रतिशत बढ़कर 1,613.53 करोड़ रुपये (16,135.31 मिलियन रुपये) पहुंच गया, जो बीते वर्ष की समान अवधि में 1,492.98 करोड़ रुपये था। इस तेजी का मुख्य आधार लेदर फुटवियर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती मांग है।

आगरा से होने वाले कुल निर्यात में लेदर फुटवियर का एकतरफा दबदबा रहा। अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान लेदर फुटवियर का निर्यात 8.46 प्रतिशत बढ़कर 1,605.95 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो 2025 में 1,480.71 करोड़ रुपये था। केवल जुलाई 2026 महीने की बात करें तो लेदर फुटवियर का निर्यात 4.91 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 518.43 करोड़ रुपये रहा।

कंपोनेंट्स और लेदर गुड्स निर्यात को झटका

जूतों का निर्यात बढ़ने के बावजूद फुटवियर कंपोनेंट्स और लेदर गुड्स सेगमेंट में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान कंपोनेंट्स का निर्यात 28.37 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ रुपये (58.39 मिलियन रुपये) रह गया। वहीं लेदर गुड्स के निर्यात में 57.76 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई और यह सिमटकर 1.74 करोड़ रुपये रह गया।

देश के निर्यात में 28% हिस्सेदारी

चमड़े के जूतों के कुल निर्यात में आगरा की हिस्सेदारी लगभग 28 प्रतिशत है। यहां से सालाना 3,500 से 4,500 करोड़ रुपये का जूता निर्यात होता है। 170 से अधिक छोटे-बड़े निर्यातक कार्यरत हैं। इसके अलावा देश की 60 प्रतिशत घरेलू जूते की मांग को भी आगरा पूरा करता है। शहर में सालाना करीब 18 से 20 हजार करोड़ रुपये का घरेलू जूता कारोबार होता है जिस पर लगभग 3 लाख से अधिक लोगों की आजीविका निर्भर है।

निर्यात का रिपोर्ट कार्ड

(राशि: मिलियन रुपये में)

उत्पाद श्रेणी	अप्रैल-जुलाई 2026	अप्रैल-जुलाई 2025	बदलाव
लेदर फुटवियर	16,059.51	14,807.06	+8.46%
फुटवियर कंपोनेंट्स	58.39	81.52	-28.37%
नॉन-लेदर फुटवियर	0.00	0.00	0.00%
लेदर गुड्स	17.41	41.22	-57.76%
कुल निर्यात	16,135.31	14,929.80	+8.07%

युद्ध के माहौल में कारोबार बढ़ा पर मुनाफा घटा

वैश्विक स्तर पर रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान के बीच तनाव के बावजूद जूता निर्यात में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन निर्यातकों का मुनाफा लगातार घट रहा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण समुद्री भाड़ा (शिपिंग) महंगा होना और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव मुनाफे के मार्जिन को कम कर रहा है।

आठ प्रतिशत की वृद्धि उत्साहजनक

पूरन डावर, चेयरमैन फुटवियर और चमड़ा उद्योग विकास परिषद-जूता निर्यात में वृद्धि हुई है, लेकिन नॉन-लेदर सेगमेंट में शून्य प्रदर्शन चिंताजनक है। जब तक स्थानीय इकाइयां सिंथेटिक और स्पोर्ट्स शूज की दिशा में तकनीक अपग्रेड नहीं करेंगी तब तक हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में आ रहे बड़े बदलावों का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे।

कच्चे माल ने बिगाड़ा गणित

अंबा प्रसाद गर्ग, महासचिव आगरा सोल एंड शू कंपोनेंट एसोसिएशन- फुटवियर कंपोनेंट्स के निर्यात में 28 प्रतिशत की गिरावट ने एमएसएमई इकाइयों को प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और विदेशी प्रतिस्पर्धा के कारण हमारे कंपोनेंट्स महंगे हो रहे हैं। सरकार को एमएसएमई सेक्टर के लिए प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा करनी चाहिए।

शुद्ध मुनाफे में आ रही कमी

गोपाल गुप्ता, अध्यक्ष आगरा फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एक्सपोर्टर्स चैंबर- ग्लोबल जियो-पॉलिटिकल तनाव के कारण शिपिंग भाड़ा और लॉजिस्टिक्स लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है। डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति से कुल टर्नओवर बढ़ा हुआ दिख रहा है लेकिन निर्यातकों का शुद्ध मुनाफा मार्जिन 15 से 20 प्रतिशत तक घट गया है।

महिला सशक्तिकरण व किसानों को आत्मनिर्भर बनाना कम्पनी का प्रमुख उद्देश्य : डॉ प्रशांत

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर/अयोध्या। भारत एक कृषि प्रधान देश है। अधिकांश आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है।और उनका प्रमुख व्यवसाय कृषि आधारित है, जिसमें दुग्ध उत्पाद प्रमुख है। दुग्ध व्यवसाय को और अधिक सशक्त व सामर्थ्य बनाने के उद्देश्य से किसानों खासकर महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के लिए सुप्रसिद्ध दुग्ध कम्पनी सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर ने मंडल स्तरीय अयोध्या क्षेत्र में स्थित नई बीएमसी का शुभारंभ ननशा बाजार में किया। कम्पनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ प्रशांत मंडब्य ने बताया कि कम्पनी का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण क्षेत्र के दुग्ध उत्पादकों को संगठित कर उन्हें दूध के लिए बेहतर बाजार, पारदर्शी व्यवस्था और नियमित भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराना है। कहा कि कंपनी द्वारा पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन एवं पशुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी और सहयोग देने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

डॉ प्रशांत ने कहा कि अयोध्या मंडल में नए बीएमसी कलेक्शन सेंटर की शुरुआत से आसपास के पशुपालकों को अपने दूध की बिक्री के लिए सुविधाजनक माध्यम मिलेगा और दुग्ध व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा। प्रोक्योरमेंट हेड गुंजन शुक्ला ने किसानों को अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए शीघ्र जुड़ने का आह्वान किया। क्लस्टर मैनेजर कुलदीप सिंह और क्षेत्रीय विधायक अभय प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दुग्ध कलेक्शन कर विधिवत शुभारंभ किया।

चुनावों से पहले हर वर्ग को खुश करने की कोशिश, किसानों को मिलेगा सस्ता लोन, अग्निवीरों को आरक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में विकास और जनकल्याण से जुड़े 23 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। फैसलों में चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे, परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल बनाने, खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने, किसानों को सस्ती दर पर ऋण और पूर्व अग्निवीरों को सरकारी भर्ती में आरक्षण देने जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल हैं। बैठक में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास को लेकर भी निर्णय लिए गए। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेसवार्ता में स्वीकृत प्रस्तावों की जानकारी दी।

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 1,008.67 करोड़ मंजूर

कैबिनेट में चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे को विकसित करने के लिए संशोधित परियोजना प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। 15.172 किलोमीटर लंबे प्रवेश नियंत्रित छह लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण ईपीसी मोड पर कराया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 1,008.67 करोड़ रुपये है, जिसका पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। निर्माणकर्ता के चयन के लिए ग्लोबल बिड आमंत्रित की जाएगी। इससे बुंदेलखंड से चित्रकूट धाम तक आवागमन सुगम होने और पर्यटन को गति मिलने की उम्मीद है।

परिषदीय विद्यालय बनेंगे स्मार्ट स्कूल

बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रण वाले परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इससे सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम होगा।

किसानों को छह प्रतिशत ब्याज पर छह लाख तक ऋण

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत लघु एवं सीमांत किसानों को रियायती ब्याज दर पर दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराने का फैसला किया गया। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के माध्यम से किसानों को छह लाख रुपये तक का ऋण छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर लंबी अवधि के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इससे किसानों को कृषि और ग्रामीण जरूरतों के लिए सस्ती दर पर वित्तीय सहायता मिल सकेगी।

पूर्व अग्निवीरों के लिए सरकारी भर्ती में आरक्षण

कैबिनेट ने पूर्व अग्निवीरों को समायोजित करने के लिए प्रवर्तन सिपाही (परिवहन) और कारागार विभाग में जेल वार्डर के पदों पर सीधी भर्ती में 20 प्रतिशत पदों पर क्षैतिज आरक्षण एवं आयु सीमा में छूट देने का प्रस्ताव मंजूर किया है। इसके तहत 4 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके पूर्व अग्निवीरों को भर्ती में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जाएगा। अग्निवीर जिस श्रेणी का होगा, उसे उसी श्रेणी के अंतर्गत समायोजित किया जाएगा।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह कैबिनेट की फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों विभागों में भूतपूर्व सैनिकों की भांति अग्निवीर के रूप में की गई 4 वर्ष की सेवा अवधि घटाते हुए अधिकतम आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट मिलेगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कुल आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक न हो। बता दें कि इससे पहले पुलिस विभाग में पूर्व अग्निवीरों को भर्ती में 20 फीसद आरक्षण देने का प्रस्ताव मंजूर किया गया था। अब परिवहन विभाग में भी सिपाही के पद पर पूर्व अग्निवीर भर्ती हो सकेंगे। परिवहन विभाग द्वारा जल्द इस बाबत शासनादेश जारी किया जाएगा।

कारागारों की सुरक्षा होगी मजबूत

कारागारों में पूर्व अग्निवीरों की जेल वार्डर के पद पर भर्ती से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने में मदद मिलेगी। जिन कारागारों में सामान्य अपराधियों के साथ आतंकवादी, कुख्यात अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष प्रशिक्षित कार्मिकों की आवश्यकता है, वहां पूर्व अग्निवीरों का प्रशिक्षण, अनुशासन-कौशल एवं अनुभव का उपयोग लाभकारी होगा। इससे पूर्व अग्निवीरों के लिए नये रोजगार सृजित होंगे।

पीआरडी जवानों और आश्रितों को कैशलेस इलाज

प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के स्वयंसेवकों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा देने का निर्णय हुआ। इससे पीआरडी जवानों और उनके परिवारों को उपचार के दौरान आर्थिक राहत मिलेगी।

खिलौना उद्योग को मिलेगा प्रोत्साहन

कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश खिलौना विनिर्माण प्रोत्साहन नीति-2025 को मंजूरी दी गई। इस नीति से प्रदेश में खिलौना निर्माण उद्योग को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में मदद मिलेगी।

गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : स्वतंत्र देव सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतरत्न इंजी. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के 166वें जन्मदिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन की ओर से राम मनोहर लोहिया परिकल्प भवन प्रेक्षागृह, सिंचाई विभाग, तेलीबाग में अभियंता दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में एसोसिएशन की पत्रिका 'विश्वेश्वरैया विशेषांक' और लोक निर्माण विभाग की पत्रिका 'प्रज्ञता' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अभियंताओं को सम्मानित भी किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अभियंताओं को अभियंता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारतरत्न सर एम. विश्वेश्वरैया का जीवन दूरदृष्टि, अनुशासन, तकनीकी दक्षता और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है। अभियंता केवल सड़क, पुल, भवन और नहरों का निर्माण नहीं करते, बल्कि जनजीवन को बेहतर बनाने, आर्थिक गतिविधियों को गति देने और विकास के अवसरों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि अभियंताओं को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक तकनीक, नवाचार और कुशल प्रबंधन का उपयोग करना चाहिए। सरकार का संकल्प है कि विकास परियोजनाएं समय से पूरी हों, उनकी लागत नियंत्रित रहे और उनका अधिकतम लाभ जनता तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि अभियंत्रण क्षेत्र की दक्षता और प्रतिबद्धता के बल पर उत्तर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।इससे पहले जलशक्ति मंत्री ने उदयगंज स्थित सिंचाई विभाग मुख्यालय परिसर में भारतरत्न डॉ. एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।समारोह में उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव, निवर्तमान अध्यक्ष सुरजीत निरंजन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीके मंगलम, महासचिव आशीष यादव, अतिरिक्त महासचिव शशांक पांडेय, संगठन सचिव अभिषेक यादव सहित विभिन्न अभियंत्रण विभागों, निगमों और सार्वजनिक उपक्रमों के विभागाध्यक्ष, प्रमुख अभियंता तथा बड़ी संख्या में अभियंताओं ने प्रतिभाग किया।

सेवा संकल्प अभियान में प्रदेशभर में चलेगा सघन पशु जागरूकता एवं टीकाकरण अभियान

लखनऊ। पशुपालन विभाग आपके द्वार पहल के तहत सेवा संकल्प अभियान 2026 का आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक करेगा। अभियान के दौरान प्रदेशभर में सघन जनजागरूकता और टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। पशु चिकित्सकों की विशेष टीमें गांव-गांव पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगी। इसके साथ ही पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण, संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपायों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और पशुपालकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। लंपी त्वचा रोग से बचाव के लिए विशेष सघन टीकाकरण अभियान भी चलाया जाएगा।पशुपालन विभाग के निदेशक प्रशासन एवं विकास डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के दौरान पशुपालकों को पशुओं में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

गोमतीनगर में पालतू कुत्तों के लाइसेंस की जांच, बिना लाइसेंस पर तीन लोगों से 15 हजार रुपये जुर्माना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। शहर में पालतू कुत्तों के लाइसेंस संबंधी नियमों को लेकर नगर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में मंगलवार सुबह नगर निगम की पशु कल्याण टीम ने जोन-4 के गोमतीनगर क्षेत्र में विशाल खंड, विराट खंड और लोहिया पार्क के आसपास पालतू कुत्तों के लाइसेंस की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर सुबह साढ़े छह बजे शुरू हुए अभियान में प्रवर्तन दल, श्वान पकड़ने वाला दल और निगम कर्मी अभिनव भारती, रामकुमार, राजेश उपाध्याय और फुरकान सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।अभियान के दौरान बिना लाइसेंस पालतू कुत्ता रखने के मामले में तीन लोगों से कुल 15 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। जुर्माना जमा कराने के साथ ही मौके पर तीन लाइसेंस भी जारी किए गए। इस तरह नगर निगम कोष में कुल 18 हजार रुपये जमा हुए। जांच के दौरान कई ऐसे लोग भी मिले, जिनके पालतू कुत्तों के लाइसेंस और टीकाकरण की प्रक्रिया पूरी थी।नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में करीब 10 हजार पालतू कुत्ते पंजीकृत अथवा अपंजीकृत रूप से रखे जा रहे हैं, जबकि अभी तक करीब 3400 लाइसेंस ही बनाए गए हैं। नगर निगम का अभियान पालतू कुत्तों के पंजीकरण को बढ़ाने के साथ सार्वजनिक सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। नगर निगम के अनुसार कुत्ते का लाइसेंस रैबीज टीकाकरण प्रमाण पत्र और पालतू पशु अनुज्ञप्ति, नियंत्रण तथा विनियमन उपविधि-2025 के पालन संबंधी शपथ पत्र के आधार पर जारी किया जाता है। लाइसेंस नगर निगम की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बनाया जा सकता है। इसके अलावा पशु कल्याण अधिकारी कार्यालय, लालबाग में भी आवेदन किया जा सकता है। नागरिक सहायता के लिए जयंत सिंह से 9511156792 और अफसर अली से 9721095021 पर संपर्क कर सकते हैं।नगर निगम ने नागरिकों की सुविधा के लिए कार्यालय के अलावा विभिन्न पशु चिकित्सालयों और पालतू पशु उपचार केंद्रों पर भी लाइसेंस बनवाने की व्यवस्था की है। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि अभियान के माध्यम से लोगों को पालतू कुत्तों के लाइसेंस के साथ रैबीज जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। नगर निगम वैध रैबीज रोधी टीकाकरण प्रमाण पत्र की जांच के बाद ही लाइसेंस जारी करता है। उन्होंने सभी पालतू कुत्ता मालिकों से नियमों का पालन करते हुए अनिवार्य रूप से लाइसेंस बनवाने, समय से रैबीज रोधी टीकाकरण कराने और कुत्ते को टहलाते समय मजबूत पट्टे का प्रयोग करने की अपील की।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर युवाओं ने साझा किए विचार

ईमानदारी, विशेषज्ञता और शिष्टाचार को बनाएं जीवन का आधार : असीम अरुण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर युवाओं को अपनी बात रखने और भविष्य की दिशा को लेकर विचार साझा करने का मंच देने के उद्देश्य से गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में मंगलवार को 'युवानीति-3' युवा नीति संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण ने प्रदेश के 18 जनपदों से आए युवाओं के साथ संवाद किया।कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने लोकतंत्र, समान अवसर, सामाजिक बदलाव तथा सरकार की नीतियों और योजनाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर राज्यमंत्री से सवाल पूछे। युवाओं ने भविष्य की प्राथमिकताओं, उनकी दिशा और आगे की कार्ययोजनाओं को लेकर भी अपने विचार साझा किए। इसके अलावा युवाओं ने असीम अरुण के पूर्व सेवाकाल और जनसेवा से जुड़े अनुभवों को लेकर भी सवाल किए।असीम अरुण ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है और उनकी सोच को नीति निर्माण से जोड़ना महत्वपूर्ण है। युवा नीति संवाद युवाओं को अपने विचार, सवाल और सुझाव सीधे मंत्रियों एवं नीति-निर्माताओं तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने जीवन और कार्य में ईमानदारी, विशेषज्ञता और शिष्टाचार को मूल्यों के तीन प्रमुख स्तंभ के रूप में अपनाना चाहिए।उन्होंने कहा कि सरकार का विजन विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत का है। युवाओं की

धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर शिलालेख और बारकोड से मिलेगी विरासत की जानकारी

लखनऊ। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश में 575 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों पर शिलालेख और बारकोड व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। इसके तहत अब तक 14 आस्था स्थलों पर शिलालेख और बारकोड लगाए जा चुके हैं, जबकि शेष स्थलों पर बारकोड लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के धार्मिक, प्राचीन एवं ऐतिहासिक महत्व की धरोहरों के बारे में श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है। शिलालेखों के माध्यम से संबंधित पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक धरोहर के बारे में संक्षिप्त जानकारी अंकित की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 16 सितंबर को गोरखपुर में आठवें कल्याण मंडपम का करेंगे लोकार्पण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 16 सितंबर को अपनी विधायक निधि से गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जंगल नकहा नंबर दो में निर्मित कल्याण मंडपम का लोकार्पण करेंगे। वार्ड नंबर 54 उर्वरक नगर में बने इस भव्य कल्याण मंडपम से अल्प एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों को मांगलिक और पारिवारिक आयोजनों के लिए मैरिज हाउस का रियायती विकल्प उपलब्ध होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 29 अगस्त को बशारतपुर में कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया था।मुख्यमंत्री के जीवन सुगमता के विजन के अनुरूप गोरखपुर में वार्ड स्तर पर सर्वसुविधायुक्त कल्याण मंडपम की श्रृंखला विकसित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम को निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों के मांगलिक आयोजनों के लिए सुविधायुक्त कल्याण मंडपम विकसित करने का निर्देश दिया था। इसी के तहत निर्माण कार्य शुरू हुआ और मुख्यमंत्री की विधायक निधि से इसके लिए धनराशि की व्यवस्था भी कराई गई। गोरखपुर में अब तक सात कल्याण मंडपम का लोकार्पण मुख्यमंत्री कर चुके हैं और जंगल नकहा नंबर दो में बनने वाला मंडपम आठवां होगा।गोरखपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल ने बताया कि वार्ड नंबर 54 उर्वरक नगर के जंगल नकहा नंबर दो में 2461 वर्गमीटर भूमि पर 3.08 करोड़ रुपये की लागत से कल्याण मंडपम का निर्माण कराया गया है। आधुनिक शहरी सुविधाओं और आकर्षक वास्तुकला से सुसज्जित यह दो मंजिला भवन करीब 300 लोगों की क्षमता वाला है।

संक्षेप

बीकेटी में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक घायल

लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र में लखनऊ-सीतापुर रोड पर मंगलवार सुबह ट्रक की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना 15 सितंबर 2026 को करीब सुबह नौ बजे पुलिस को मिली।पुलिस के अनुसार, बाइक सवार जवाहिर निषाद पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम अटरिया, थाना माल, लखनऊ और मुकेश निषाद पुत्र स्वर्गीय जगदीश निवासी ग्राम अटरिया, थाना माल, लखनऊ मोटरसाइकिल से लखनऊ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। दुर्घटना में जवाहिर निषाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मुकेश निषाद घायल हो गए।घायल मुकेश निषाद को उपचार के लिए 100 शैय्या अस्पताल, बीकेटी में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना में शामिल ट्रक संख्या एचपी12 जी 6933 को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सुशांत गोल्फ सिटी में मारपीट के मामले में एक और बाल अपचारी संरक्षण में

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक और बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लेकर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।पुलिस के मुताबिक 5 सितंबर 2026 को अंकित मिश्रा निवासी कैलाश इन्क्लेव, वृंदावन योजना ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में तहरीर देकर बताया था कि 4 सितंबर को विपक्षीगण ने उनके पुत्र के साथ गाली-गलौज और मारपीट की, जिससे वह बेहोश हो गया था। आरोप है कि इसके बाद उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। सूचना के आधार पर थाना सुशांत गोल्फ सिटी में मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना की जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर 13 सितंबर को दो बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में लिया था। इसी क्रम में 15 सितंबर को एक अन्य बाल अपचारी को भी पुलिस संरक्षण में लेकर नियमानुसार कार्रवाई की गई और न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।मामले में थाना सुशांत गोल्फ सिटी में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुबोध कुमार और कांस्टेबल राजकुमार गौड़ शामिल रहे।

अंतरिक्ष से धरती को देखने पर बदल जाती है सोच : ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला

लखनऊ। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव में मंगलवार को 'धरती से अंतरिक्ष तक सपनों की उड़ान' सत्र में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने विद्यार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर उनकी पुस्तक 'द सेकेंड ऑर्बिट' का परिजनों के साथ लोकार्पण किया गया। भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने वीडियो संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं दीं।विद्यार्थियों से संवाद करते हुए शुभांशु शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखने पर सोच बदल जाती है। वहां से कोई देश या सीमा दिखाई नहीं देती, बल्कि केवल एक सुंदर और एकीकृत पृथ्वी नजर आती है। यदि कोई अंतरिक्ष यात्री से पूछे कि वह कहां से आया है तो किसी शहर या देश का नाम लेने के बजाय 'पृथ्वी से आया हूं' कहना अधिक सार्थक होगा।उन्होंने बताया कि पहली अंतरिक्ष उड़ान से पहले मन में परीक्षा जैसी घबराहट थी, लेकिन मानसिक मजबूती के साथ आगे बढ़े। सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में शरीर की लंबाई बढ़ती है, पानी गोल बूंदों के रूप में तैरता है और मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसलिए अंतरिक्ष में नियमित व्यायाम जरूरी होता है। पृथ्वी पर लौटने के बाद शरीर को दोबारा गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल होने में भी समय लगता है।शुभांशु शुक्ला ने युवाओं से कहा कि भारत गगनयान और चंद्रमा पर मानव मिशन की तैयारियों में जुटा है। यह पूरे देश का सपना है।

कृषि विज्ञान केंद्र किसानों के लिए मंदिर के समान, शोध और नवाचार का लाभ खेतों तक पहुंचाएं : सूर्य प्रताप शाही

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कृषि विज्ञान केंद्र किसानों के लिए मंदिर के समान हैं। यहां वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध और नवाचार केवल प्रक्षेत्रों तक सीमित न रहकर किसानों के खेतों में वास्तविक बदलाव के रूप में दिखाई देने चाहिए। हमारा ध्येय हर हाल में किसान को लाभान्वित करना होना चाहिए और प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र को आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। यह निर्देश कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को कृषि भवन सभागार में प्रदेश के सभी 89 कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों और प्रभारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए।बैठक में कृषि विज्ञान केंद्रों की गतिविधियों, विभिन्न परियोजनाओं के सुचारु संचालन, आगामी रबी सीजन की रणनीति तथा विकसित भारत अभियान के तहत स्थानीय स्तर पर दलहन और तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा हुई। कृषि मंत्री ने वैज्ञानिकों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार काम करते हुए केंद्रों पर व्यावहारिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देर से बुवाई की प्रवृत्ति को हर हाल में बदलना होगा, क्योंकि इससे फसलों के उत्पादन और उत्पादकता दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। किसानों को समय से बुवाई, निराई-गुड़ाई और कटाई के लिए प्रेरित किया जाए तथा खेतों में कतारबद्ध बुवाई, सहफसली खेती और मेड़ पर फसल लगाने जैसी उन्नत पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि वैज्ञानिक अपने प्रक्षेत्रों के साथ किसानों के खेतों पर भी सजीव प्रदर्शन कराकर उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने में किसानों का सक्रिय सहयोग करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि वैज्ञानिकों के सामने आने वाली नीतिगत और तकनीकी चुनौतियों का शासन स्तर पर तत्परता से समाधान किया जाएगा।उन्होंने व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए कृषि विश्वविद्यालयों के स्तर पर कृषि विज्ञान केंद्रों की नियमित रैंकिंग कराने के निर्देश दिए। साथ ही उच्च स्तर पर कम से कम प्रत्येक दो माह में कृषि विज्ञान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में कृषि विज्ञान केंद्र महत्वपूर्ण कड़ी बनें। किसानों के बीच खुले बीज पोर्टल, कृषि यंत्र पोर्टल और 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे सूक्ष्म पोषक तत्वों के संबंध में व्यापक जागरूकता फैलाने के भी निर्देश दिए।कृषि मंत्री ने 17 सितंबर को सेवा संकल्प अभियान के अवसर पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाने तथा प्रदेश के सभी विकासखंडों में पांच दिवसीय किसान मेलों के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान केंद्रों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, प्रमुख सचिव रवींद्र, विशेष सचिव लाल बहादुर यादव, बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एसवीएस राजू, मेरठ कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति त्रिवेणी दत्त, कानपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति संजीव गुप्ता, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, कृषि निदेशक टीएम त्रिपाठी सहित सभी 89 कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक और कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आशियाना में चेन लूट की दो घटनाओं का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। आशियाना थाना पुलिस ने महिलाओं के गले से सोने की चेन झपटने की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दोनों घटनाओं से संबंधित दो पीली धातु की चेन, वारदात में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में शनि कश्यप उर्फ गोलू और अर्जुन रावत उर्फ गंगाधर उर्फ बालू तगड़ा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार शनि कश्यप आशियाना थाने का हिस्ट्रीशीटर है।पुलिस के मुताबिक 13 सितंबर को सेवा देवी निवासी सेक्टर एन, थाना आशियाना ने तहरीर देकर बताया था कि 11 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे दो अज्ञात बाइक सवार उनकी सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। इस मामले में थाना आशियाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी तरह दुर्गेश त्रिपाठी निवासी रायल सिटी फेस-2, थाना बिजनौर ने 14 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी।

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी

जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी (जेसीआरए) ने भारत की सार्वभौम (सावरेन) क्रेडिट रेटिंग में सुधार करते हुए इसे BBB+ से बढ़ाकर A- कर दिया है। भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी कई कारणों के चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूरे विश्व में समस्त बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है एवं भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, इस देश में नागरिकों को अपने विचार रखने की आजादी है अतः विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अभी हाल ही में अन्य देशों में निवासरत भारत के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दर्शाता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे है। हाल ही में, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूपीआई की मांग अब विश्व के अन्य देशों द्वारा भी की जा रही है। जनधन योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़ दिया गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। डिरेक्ट बेनिफिट ट्रान्स्फर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारत में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, सरकारी खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च पिछले 5 वर्षों में तीन गुना हो गए हैं। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सांतवा, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आंठवां, भारत का वित्तीय घाटा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी की है। विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैंकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इससे उस देश में विदेशी निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा निम्न प्रकार की क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती है। AAA - यह प्राइम क्रेडिट रेटिंग मानी जाती है एवं यह देश निवेश की दृष्टि से इन्वेस्टमेंट ग्रेड का है। AA - क्रेडिट रेटिंग भी हाई ग्रेड की मानी जाती है। A - क्रेडिट रेटिंग अपर मीडीयम ग्रेड की मानी जाती है। BBB - क्रेडिट रेटिंग लोअर मीडीयम ग्रेड को दर्शाती है। BB - क्रेडिट रेटिंग नोन-इन्वेस्टमेंट ग्रेड एवं स्पेक्युलेटिव की श्रेणी में गिनी जाती है। B - क्रेडिट रेटिंग हाइली स्पेक्युलटिव श्रेणी में आती है एवं C - क्रेडिट रेटिंग अधिकतम रिस्क की श्रेणी में गिनी जाती है। भारत की क्रेडिट रेटिंग BBB+ ग्रेड में मानी जा रही थी जो अब सुधरकर A- कर दिया गया है। पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में पिछले कई वर्षों से बदलाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इस दौरान विशेष रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुए विकास दर को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो BBB- के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा 18 वर्ष पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे BBB के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडी ने जून 2020 के पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को Baa3 की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग दी हुई है।

पर्वतारोहण से कमाई के फेर में नेपाल

अपनी इस नयी नीति के तहत उसने आगामी दो वर्षों के लिये दूरदराज के इलाकों में हिमालय की 97 चोटियों पर चढ़ाई को मुफ्त करने की बात कही थी

डॉ. सुधीर सक्सेना

पर्वतारोहण रोमांचक शौक है, जो जोखिम और खतरों के बीच परवान चढ़ता है। पर्वतारोहण संकल्प से सिद्धि की जीवटभरी गाथा है। तेनजिंग नोर्के और एडमंड हिलेरी को अमरत्व इसी पर्वतारोहण की देन है। पर्वतारोहण मनुष्य के साहस के लिये चुनौती है और जान जाने के डर के बावजूद मनुष्य है कि पहाड़ों पर चढ़ने से बाज नहीं आता। विश्व में दस में से आठ सर्वोच्च शिखर भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हैं। इनमें सर्वोच्चतम है कि एवरेस्ट यानि सागरमाथा। पर्वतारोहण में शेरपाओं की कुशलता की दुनिया कायल है। पर्वतारोहण का ताजा और रोचक प्रसंग यह है कि पर्वतीय राष्ट्र नेपाल पर्वतारोहण से कमाई के फेर में पड़ गया है।

यह खबर ज्यादा पुरानी नहीं, बल्कि पिछले साल की है। गत वर्ष 12 अगस्त को खबर आई थी कि नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये पर्वतारोहण का सहारा लगा। अपनी इस नयी नीति के तहत उसने आगामी दो वर्षों के लिये दूरदराज के इलाकों में हिमालय की 97 चोटियों पर चढ़ाई को मुफ्त करने की बात कही थी, लेकिन तुर्रा यह कि उसी साल सितंबर से नगाधिराज हिमालय की सबसे ऊँची चोटी एवरेस्ट पर पीक सीजन में चढ़ाई के लिये परमिट फीस बढ़ाकर 15000 डालर कर दी गयी थी। गौरतलब है कि पर्वतारोहण नेपाल के लिये विदेशी मुद्रा कमाने का बड़ा जरिया है। पिछले साल पर्वतारोहण से उसे 5.9 मिलियन डालर की कमाई हुई थी। इसमें तीन-चौथाई से अधिक योगदान माउंट एवरेस्ट का था। सन 2024 में एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिये चार सौ से भी अधिक परमिट जारी किये गये थे। कह सकते हैं कि हिमाच्छादित एवरेस्ट को पर्वतारोहियों की भीड़ का सामना करना पड़ रहा है, जिसका उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि 8849 मीटर से अधिक ऊंची चोटी एवरेस्ट हाल के सालों में भीड़भाड़, पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं और चढ़ाई के दम्यान कई जानलेवा हादसों से जूझ रही है। अप्रैल, सन 2024 में नेपाल की सर्वोच्च न्यायालय ने नेपाल सरकार को एवरेस्ट और अन्य अनेक चोटियों के लिये जारी किये जाने वाले परमिटों की संख्या सीमित करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पहाड़ों की क्षमता का सम्मान किया जाना चाहिये, लेकिन पहाड़ों से कमाई के चस्के के फेर में सरकार के कानों पर जूँ नहीं रेंगी। फलतः उसने सुप्रीम कोर्ट के परवाने को बलाये ताक रखकर परमिट काटना बदस्तूर जारी रखा। उसने इनकम जेनरेट करने की तालिका बनाई। तदनुसार अप्रैल-मई के मुख्य सीजन के अलावा शेष अवधि में जो आरोहण के इच्छुक हैं, उनके लिये सितंबर से नवंबर के बीच एवरेस्ट चढ़ाई की फीस 7500 डालर और और दिसंबर से फरवरी के मध्य 3750 डालर तय कर दी। दिसंबर, 25 तक सभी रास्तों से एवरेस्ट पर 13737 बार चढ़ाई हुई इसमें 6656 क्लायंट और 7081 क्लाइंबर शामिल थे। सफलता की दर 50 प्रतिशत से भी कम रही। लोकप्रिय दक्खिनी रास्ते पर सबसे ज्यादा मौतें हुई। नेपाल की तरफ जिन 116 पर्वतारोहियों की मृत्यु हुई, उनमें 51 फीसद वे लोग थे, जो एक्स्ट्रा आक्सीजन का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे। तिब्बत की तरफ ऐसी 41 मौतें हुई।

सन 2000 के बाद से एवरेस्ट पर चढ़ने वालो की संख्या में जबदस्त उछाल आया है। इससे एवरेस्ट प्रदूषण की गिरफ्त में है। सैलानियों और पर्वतारोहियों द्वारा छोड़े गये हजारों किलो कचरे, प्लास्टिक, आक्सीजन सिलेंडरों और मानव अपशिष्ट के कारण इसे दुनिया का सबसे ऊंचा कचरा घर कहा जाने लगा है। दिक्कत यह है कि कमाई के फेर में कचरा हटे तो हटे कैसे?

व्यंग्य

सोनिया का इनकार काबिल-ए-तारीफ निर्णय

सोनिया गांधी अपने अनुभव सुनाना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? अगर उनकी टिप्पणियां पूर्वाग्रह भरी हुईं, तो उनसे आहत पक्ष के पास जवाब देने का पूरा अवसर मौजूद रहेगा।

कहने को तो भारत लोकतंत्र है, लेकिन यहां विपक्ष के सर्व-प्रमुख नेताओं तक को अपनी कहानी बताने की आजादी नहीं है! सोनिया गांधी नरेंद्र मोदी या आरएसएस के बारे में अपने अनुभव या अपनी राय सुनाना चाहती हैं, तो आखिर उसका अवसर उन्हें क्यों नहीं मिलना चाहिए? भारत- चीन संबंध से जुड़ी किसी घटना पर उनकी राय को देश के सामने आने से क्यों रोका जाना चाहिए? अगर उनकी टिप्पणियां पूर्वाग्रह भरी होंगी या उनसे कोई गलतबयानी सामने आएगी, तो उससे आहत व्यक्ति या पक्ष के पास जवाब देने का अवसर तो मौजूद ही रहेगा। एक बार एक फिल्म पर प्रतिबंध से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि असहमत व्यक्ति फिल्म ना देखने या अभिव्यक्ति के अपने माध्यम से उसका जवाब देने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन लोकतंत्र में कलाकृति या वैचारिक अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध का कोई औचित्य नहीं है।

लेकिन ये उस दौर की बात है, जब प्रतिबंध सरकार का विशेषाधिकार समझा जाता था। तब परोक्ष दबाव या सामाजिक ट्रोलिंग के जरिए अघोषित प्रतिबंध का चलन नहीं था। ताजा मामले में प्रत्यक्ष रूप से सरकार कहीं मौजूद नहीं है। मगर देश के मौजूदा सियासी माहौल का गहरा साया इस पर साफ देखा जा सकता है। सोनिया गांधी की आत्म-कथा- 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लवÓ को जो प्रकाशक अमेरिका में छाप रहा है, खबरों के मुताबिक उससे ही जुड़े भारतीय प्रकाशक ने भारत में इसे जारी करने से इनकार कर दिया है।

बताया जाता है कि भारतीय संस्करण में सोनिया गांधी से कुछ हिस्सों को हटाने को कहा गया, जिससे उन्होंने मना कर दिया। गुजरे सवा दशक में उसी प्रकाशक ने भारत में कई किताबों को इसीलिए नहीं प्रकाशित किया, क्योंकि उससे सत्ता या अन्य शक्तिशाली पक्षों के नाराज होने का अंदेशा था। जबकि कुछ लेखकों ने प्रकाशकों के दबाव में ₹आपत्तिजनक₹ हिस्से हटा कर किताब छपवा लेना बेहतर समझा। ऐसा करने से सोनिया गांधी का इनकार काबिल-ए-तारीफ निर्णय है। मगर इस घटनाक्रम ने भारत में अभिव्यक्ति के सिकुड़ते दायरे को जग-जाहिर कर दिया है, जिससे लोकतंत्र की स्थिति पर उठे सवाल और संगीन हो गए

ब्लॉग

मध्यप्रदेश हिन्दी में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य

विश्वास कैलाश सारंग

स्टीफन स्पेंडर की तरह कहें तो सर्जना के स्तर पर भाषा, अपनी भाषा एक आध्यात्मिक गतिविधि है या टाल्सटाय के शब्दों में यहाँ आध्यात्मिक सक्रियता के स्त्रोत प्रवाहित होते हैं या मुक्तिबोध के शब्दों में 'स्व से ऊपर उठना, अन्य के मर्म में प्रवेश करना मनुष्यता का सबसे बड़ा लक्षण है। और यह लक्षण हिन्दी में शब्द बनते ही दिखाई देने लगता है। आकार, अक्षर और ध्वनि का एकाकार जिस भाषा में हुआ वह सिर्फ हिन्दी है।

इसलिए मैं गिलक्राइस्ट जैसे लोगों का सख्त विरोधी हूं जो हिन्दी को गंवारू और हिन्दुओं की भाषा कहता था। 'गार्सा-द-तासी ने लिखा था हिन्दी में हिन्दू धर्म का आभास है। इसलिए यदि हिन्दी के लोकवृत्त को समझना हो तो भक्ति आंदोलन को समझना जरुरी है। जब कबीर कहते हैं 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, लिए लुकाठी हाथ तो वो बाजार का नहीं उसकी माया का विरोध कर रहे हैं या विद्यापति की उम्मीद 'बिपत अपत तरु पाओल रे पुन नव नव पात। यह हिन्दी का संदेश है कि जो पत्ते सूख गए हैं तो उनमें फिर नए पत्ते आएंगे। हमारे देश में उदारवाद के पगचिन्ह भक्तिकाल में साफ-साफ दिखाई देते हैं। आखिर मथुरा में आचार्य वल्लभ पहुंचे, चैतन्य पहुंचे और इन सभी ने सामुदायिक खाइयों को पाटने का काम किया।

हिन्दी की पाचनशक्ति अद्भुत है। इसमें दुनियाभर की भाषाओं के शब्द हैं और वे अतिथि शब्द नहीं है बल्कि आत्मसात कर लिए गए शब्द हैं। ऐसा दुनिया की कोई भाषा नहीं कर सकी। अंग्रेजी भी नहीं जिसकी सर्वाधिक डुग्गी हमारे देश में पीटी जाती है। अंग्रेजी से पहले वहाँ लैटिन और ग्रीक बोली जाती थी यही अभिजात्य वर्ग की भाषा थी। अंग्रेजी उस समय अभिजात्यों की नहीं हाशिए पर जी रहे गरीबों और मजदूरों की भाषा थी। उनके शब्द लिए गए मगर अंग्रेजी उन्हें आत्मसात नहीं कर पायी। जैसे जॉन कीट्स की एक कविता का शीर्षक है ₹ला बेले डेम सैंस मर्सी₹ यानि एक दयाहीन सुंदर महिला यह शीर्षक 15वीं शताब्दी का है। अंग्रेजी में यह कविता बेहद चर्चित है, जिसमें एक परी शूरवीर को सम्मोहित करके अप्रिय भाग्य का श्राप देती है। हिंदी सिर्फ एक भाषा ही नहीं भारत की संस्कृति है। यह उदार और निर्माणात्मक में सुन भर लीजिए तो हिन्दी स्मृति में बसने लगती है।

हमारे यशस्वी और श्रद्धेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पंक्तियां है- ₹आसमान में सिर उठाकर, घने बादलों को चीरकर, रोशनी का संकल्प लें, अभी तो सूरज उगा है। दृढ़ निश्चय के साथ चलकर, हर मुश्किल को पार कर,घोर अंधेरे को मिटाने, अभी तो सूरज उगा है।₹

आज सूरदास कोलंबिया में, मीरा अमेरिका के कई बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही हैं। जायसी पढ़ाए जा रहे हैं। हिन्दी का अर्थ ही नहीं शब्द-शब्द श्लोक है। जो बोलते ही सूखे गेहूँ के दाने सा खनकता है। हिन्दी के निकट बैठकर महात्मा गांधी दिखाई देने लगते हैं अर्थात हर गरीब मन का दर्द जहां नव गीत में ढ़लने लगे वह हमारी भाषा है हिंदी।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का निरंतर प्रयास रहा है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था भारतीय भाषाओं, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय प्रतिभा की शक्ति के अनुरूप आगे बढ़े। लंबे समय तक अंग्रेजी को उच्च शिक्षा और विशेषकर चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा का प्रमुख माध्यम माना जाता रहा। इसका परिणाम यह हुआ कि ग्रामीण, गरीब, किसान और सामान्य परिवारों से आने वाले अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा तक पहुंच का मार्ग अपेक्षाकृत कठिन बना रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा में भारतीय भाषाओं के महत्व को नई दिशा दी। यह केवल भाषा परिवर्तन का विषय नहीं है बल्कि यह शिक्षा को अधिक समावेशी, सहज और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की व्यापक सोच का हिस्सा बना। प्रधानमंत्री जी के इसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए मध्यप्रदेश ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल की। मुझे इस बात का गर्व है कि चिकित्सा शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करते हुए हम मध्यप्रदेश का नाम उस ऐतिहासिक उपलब्धि से जोड़ने में सफल रहे, जब मध्यप्रदेश ने हिन्दी माध्यम में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य होने का गौरव हासिल किया। यह केवल मध्यप्रदेश के लिए उपलब्धि नहीं थी बल्कि भारतीय भाषाओं के प्रति विश्वास को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम था।

16 अक्टूबर 2022 वो ऐतिहासिक दिन जब भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के करकमलों द्वारा एमबीबीएस प्रथम वर्ष की हिन्दी पुस्तकों का विमोचन किया गया और हिंदी में मेडिकल शिक्षा के नए अध्याय का शुभारंभ हुआ। यह क्षण इसलिए भी ऐतिहासिक था क्योंकि पहली बार चिकित्सा जैसे अत्यंत तकनीकी और विशेषज्ञता वाले विषय में भारतीय भाषा को शिक्षा के प्रभावी माध्यम के रूप में बड़े स्तर पर स्थापित करने का प्रयास किया गया।

हमारा उद्देश्य कभी यह नहीं रहा कि हिन्दी को अंग्रेजी के विरोध में खड़ा किया जाए। उद्देश्य यह है कि भाषा किसी विद्यार्थी की प्रतिभा के मार्ग में बाधा न बने। रोजमर्रा की जिंदगी में जिस भाषा में विद्यार्थी सोचता है, परिवार से संवाद करता है और अपने अनुभवों को समझता है, उसी भाषा में कठिन अवधारणाओं को समझना उसके लिए स्वाभाविक रूप से अधिक सहज हो सकता है।

हिन्दी में एमबीबीएस का पाठ्यक्रम तैयार करना सामान्य अनुवाद का कार्य नहीं था। चिकित्सा विज्ञान की शब्दावली, अवधारणाओं और तकनीकी विषयों को विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक रूप से सही, सहज और समझने योग्य रूप में प्रस्तुत करना एक बड़ी चुनौती थी। इसी उद्देश्य से चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत हिन्दी में एमबीबीएस पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए पृथक हिन्दी पाठ्यक्रम प्रकोष्ठ का गठन किया गया तथा विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से कार्ययोजना तैयार की गई। चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों की सहभागिता से पाठ्यक्रम और पुस्तकों को चरणबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से तैयार करने का कार्य किया गया।

हिन्दी पुस्तकों के रूपांतरण और चिकित्सा शिक्षा की इस पूरी प्रक्रिया को संस्थागत स्वरूप देने के लिए हिन्दी चिकित्सा प्रकोष्ठ 'मंदार का विधिवत गठन किया गया। जिस प्रकार समुद्र मंथन से अमृत प्राप्त हुआ था, उसी प्रकार ज्ञान के मंथन, विशेषज्ञों के परिश्रम और संकल्प की साधना से 'मंदार के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अमृत निकला। महीनों के अथक परिश्रम, विशेषज्ञों के ज्ञान और मिशन मोड में किए गए कार्य के परिणामस्वरूप एमबीबीएस की पुस्तकों और पाठ्यक्रम को हिन्दी में उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई।

हिन्दी में चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत केवल प्रथम वर्ष तक सीमित नहीं रही। प्रथम वर्ष की पुस्तकों के विमोचन के बाद हिन्दी चिकित्सा प्रकोष्ठ 'मंदार में एमबीबीएस द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की पुस्तकों के लिप्यंतरण एवं पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को भी आगे बढ़ाया गया। यह क्रम बताता है कि मध्यप्रदेश की पहल किसी प्रतीकात्मक कार्यक्रम तक सीमित नहीं थी। इसके पीछे एक व्यापक और दीर्घकालिक दृष्टि थी चिकित्सा शिक्षा को भारतीय भाषाओं में अधिक सुलभ बनाना।

मध्यप्रदेश की इस पहल के बाद छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने भी हिन्दी में एमबीबीएस शिक्षा की दिशा में पहल की। हिन्दी में एमबीबीएस भारतीय भाषाओं के लिए एक सकारात्मक राष्ट्रीय आंदोलन की शुरुआत साबित हुई। आज देश के अन्य राज्य भी अपनी हिन्दी में चिकित्सा शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश से मार्गदर्शन ले रहे हैं। यह मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश ने इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाई।

हिन्दी में एमबीबीएस की शुरुआत मेरे सार्वजनिक जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। यह मेरे लिए उस संकल्प की जीत है जिसमें गांव के बच्चे, गरीब परिवार के बच्चे और सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाला विद्यार्थी भी डॉक्टर बनने का सपना पूरे आत्मविश्वास के साथ देख सके। आज जब हम राष्ट्रीय हिन्दी दिवस मना रहे हैं, तब हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को केवल बोलचाल तक सीमित नहीं रखा जाएगा। उन्हें ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान, चिकित्सा, तकनीक और नवाचार की भाषाओं के रूप में भी निरंतर सशक्त बनाया जाएगा।

मेरी भाषा, आपकी, हमारी और इस देश की भाषा अनहद राग है। इसकी संवेदना की गहराई और पवित्रता गैरिक वसना है। जैसे कबीर ने कहा है कि ₹पिंजर प्रेम प्रकासिया, अंतरि भया उजास। मुखि कस्तूरी महमही, बाणी फूटी बास₹ अर्थात जब इस शरीर रूपी पिंजरे में प्रभु-प्रेम का दीपक जलता है, तो हृदय के भीतर का अंधकार मिट जाता है और पूरा अंतःकरण प्रकाशमान हो जाता है। इस दिव्य प्रेम के प्रभाव से साधक का मुख कस्तूरी की तरह महकने लगता है यानि उसके मुख और वाणी से केवल ईश्वर के नाम और प्रेम की सुगंध (पवित्र विचार) ही चारों तरफ बिखरने लगती है।

आप सभी हिन्दी प्रेमियों और देशवासियों को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-लेखक मध्यप्रदेश के खेल एवं सहकारिता मंत्री हैं।

आंगनवाड़ी कर्मचारी यूनियन का प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आंगनवाड़ी कर्मचारी यूनियन के नेतृत्व में दो दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आईपीएल को वेतन का हिस्सा बनाने और मुख्यमंत्री की घोषित 12 हजार व 8 हजार रुपए मासिक वेतन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष सुनीता यादव ने बताया कि 8 सितंबर को अयोध्या में बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कर्मचारियों को बुलाया गया था। वहां वेतन बढ़ोतरी की घोषणा की गई थी। घोषणा के मुताबिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कुल 12 हजार और सहायिकाओं को कुल 6 हजार रुपए मासिक मानदेय अक्टूबर से मिलना था। कहा कि राज्य सरकार की ओर से कार्यकर्ताओं को कुल 4 हजार और सहायिकाओं को 2 हजार रुपए प्रतिमाह चस्प के मद में दिए जा रहे हैं। उनका कहना है कि चस्प अतिरिक्त राशि है, जिसे कभी भी बंद किया जा सकता है।

इसलिए इसे खत्म कर वेतन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी सेवा पिछले 50 साल से बच्चों के विकास और माताओं के लिए जरूरी सेवाएं दे रही है। ऐसे में काम के प्रदर्शन के आधार पर लागू करना उचित नहीं है। यूनियन ने मांग की कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 12 हजार और सहायिकाओं को 8 हजार रुपए मासिक मानदेय अप्रैल 2026 से दिया जाए। इसके लिए तत्काल बजट आवंटित कर एरियर समेत भुगतान करने की मांग की गई। कहा कि राज्य के कुशल मजदूरों को 16 हजार और अर्धकुशल मजदूरों को 14 हजार रुपए मिल रहे हैं। ऐसे में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में भी उचित बढ़ोतरी की जानी चाहिए।

डीएम ने किया मार्गों का स्थलीय निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने सोमवार देर रात जनपद मुख्यालय के विभिन्न प्रमुख मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सड़कों की स्थिति और नगरीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम के देर रात सड़कों पर निकलने से संबंधित विभागों में भी हलचल रही।जिलाधिकारी ने सद्भावना पुल से निरीक्षण की शुरुआत की। इसके बाद शाही किला, अटाला मस्जिद, जिला अस्पताल, जौनपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन, शकरमंडी, मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज, कोतवाली क्षेत्र, सिपाह, कलेक्ट्रेट, लाइन बाजार और डाक बंगला लाइन बाजार सहित प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़कों पर मौजूद गड्ढों, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी समेत अन्य नगरीय व्यवस्थाओं को मौके पर देखा। संबंधित अधिकारियों को लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य राजस्व अधिकारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, जल निगम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर, पीडब्ल्यूडी एवं नगर पालिका के अवर अभियंता समेत संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सड़कों की स्थिति में आवश्यक सुधार कराने और आमजन की सुविधा व सुरक्षित आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। चेतावनी दी कि समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षेप

सांप कांटने से युवती की मौत

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के मछलीगांव में सांप के डंसने से बीए की छात्रा आंचल की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आंचल घर में अपनी बहन के साथ सो रही थी। इसी दौरान बेड पर चढ़े सांप ने उसे डंस लिया। सांप के डंसने के बाद परिजन छात्रा को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन एक निजी अस्पताल भी पहुंचे, जहां चिकित्सक ने भी मौत की पुष्टि की।घटना के बाद सांप की तलाश में सर्प पकड़ने वालों को बुलाया गया। काफी खोजबीन के बावजूद सांप का पता नहीं चल सका। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

भर्ती की दौड़ में दो युवक बेहोष

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्दीकपुर में स्थित इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहे होमगॉर्ड की भर्ती की दौड़ में दो युवक दोड़ लगाते समय बेहोश हो गयें। मंगलवार सुबह से ही दौड़ लगाने की प्रतिक्रिया के लिए होमगॉर्ड में भर्ती युवाओं की लाइन लग गई। इस दौड में 25 वर्षीय राहुल पांडेय पुत्र राजेश कुमार पांडेय निवासी पहाड़पुर कला थाना करंडा जनपद गाजीपुर और 23 वर्षीय शिवम तिवारी पुत्र राजेश तिवारी निवासी सखापुर थाना मरदाह जनपद गाजीपुर टोली के साथ पांच किलो मीटर दौड़ के लिए जैसे ही दौड़े कुछ ही दूर जाते जाते यह दोनों युवक अचेत होकर गिर पड़ें। दोनों को जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया जहां इन्होंने बताया कि दौड़ का समय सुबह 8 बजे दिया गया था लेकिन दौड़.लगभग 12 बजे कराई गई। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने दोनों के ठीक हो जाने के बाद उनकी छुट्टी कर दी है।

यूजीसी के नए कानून का सवर्ण समाज का विरोध

जौनपुर। शाहगंज कस्बे में यूजीसी के नए कानून के विरोध में सवर्ण समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोग योगी तिराहा पर एकत्र हुए और हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए विरोध यात्रा निकाली।विरोध यात्रा योगी तिराहा से शुरू होकर शाहगंज तहसील मुख्यालय पहुंची। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के नए कानून के साथ-साथ आरक्षण व्यवस्था से जुड़ी अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सरकार से अपनी चिंताओं पर गंभीरता से विचार करने और व्यवस्था में आवश्यक बदलाव की मांग की ।तहसील मुख्यालय पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से यूजीसी के नए कानून को लेकर अपनी आपत्तियां और विभिन्न मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई की अपील की। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी और नारेबाजी से शाहगंज में सवर्ण समाज का आक्रोश सामने आया। अब ज्ञापन पर प्रशासन और सरकार की ओर से होने वाली कार्रवाई पर प्रदर्शनकारियों की नजर है।

किसान युनियन ने किया धरना प्रदर्शन

जौनपुर। मंगलवार को गरीबों, किसानों, मजदूरों की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन तहसीलइकाई के कार्य कर्ताओं ने बदलापुर में तहसील अध्यक्ष डॉ मनोजकुमार यादव की अध्यक्षता में धरना प्रदर्शन किया।इस दौरान मुख्यमंत्री सम्बोधित अपने 5 सूत्रीय मांगों का पत्रक नायब तहसील दार को सौंपा। पत्रक में बदलापुर तहसील अन्तर्गत विकास खंड महराज गंज के ग्राम राजपुर रुखार में बने सामुदायिक शौचालय की मरम्मत कराते हुये केयरटेकर कीनियुक्ति ,विकास खंड महराजगंज के गजहरमऊ गांव में घूम रहे गोवंश से ग्राम वासियों की सुरक्षा तथा ग्राम कोबी चकमार्ग संख्या 288 व 256को बनवाने , पात्र व्यक्तियों का नाम राशन कार्ड से जोड़ने गांवों में टूटे चकमार्ग की मरम्मत कराने की मसंब की। ब्लॉक अध्यक्ष रामजनक गौतम राम आसरे खिलाड़ी, भुल्लर यादव, कैलाश नाथ, रामदीन, सुमित्रा नंदलाल गौतम, शंकर, मंजू, सुशीला, झलरा, रेनू, रीता आदि मौजूद रहे।

दुर्गा पूजानोत्सव की तैयारियों को लेकर चर्चा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। श्री दुर्गा पूजा महासमिति की एक बैठक महासमिति के केंद्रीय कार्यालय नवदुर्गा मंदिर, नखास में नव चयनित अध्यक्ष मनीष देव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र भव्य दुर्गा पुजनोत्सव के अवसर पर महासमिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पुरस्कार वितरण सहित अन्य आयोजनों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष ने रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि नवरात्र के दौरान सभी कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए समयबद्ध तैयारी आवश्यक है। शारदीय नवरात्र से पहले नगर एवं ग्रामीण अंचलों की सड़कों की खराब स्थिति पर चर्चा की गई। महासमिति ने जिला प्रशासन से मांग की कि नवरात्र शुरू होने से पहले नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख सड़कों को जल्द से जल्द गड्ढामुक्त कराया जाए, ताकि विभिन्न पूजा समितियों को मां दुर्गा की प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।इसके साथ ही बिजली और साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर भी जिला प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। महासमिति के सदस्यों ने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नवरात्र से पहले बिजली व्यवस्था, सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त करा दिया जाय। निर्णय लिया कि जल्द ही महासमिति जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत, नगर पालिका एवं विद्युत विभाग से मुलाकात करेंगे। इस दौरान नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों, बिजली, साफ-सफाई सहित अन्य जनसमस्याओं से संबंधित मांगों का पत्रक अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

सीईओ चयन पर उठ रहे सवालों को लेकर ट्रस्ट ने दिया स्पष्टीकरण, पत्र जारी करके कही बड़ी बात

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन को लेकर कुछ मीडिया माध्यमों से प्रसारित हो रही जानकारी को गलत बताते हुए प्रक्रिया के तथ्य स्पष्ट किए हैं। ट्रस्ट के महासचिव स्वामी गोविंद देव गिरी की ओर से जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र (सेवानिवृत्त) सीईओ चयन के लिए हुए साक्षात्कार में शामिल हुए थे। उन्होंने 11 अगस्त को पहली पाली में आमने-सामने की चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया था।

ट्रस्ट के अनुसार, सीईओ के चयन के लिए खोज समिति का गठन छह जुलाई 2026 को किया गया था। समिति को कुल 5,585 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों की बहुस्तरीय जांच की गई। दिल्ली-एनसीआर, पुणे और संबलपुर में एआई आधारित स्क्रीनिंग के साथ मैनुअल विशेषज्ञ

मूल्यांकन भी किया गया। इसके बाद 16 प्रत्याशियों को अंतिम चरण के लिए चुना गया।

जितेंद्र मिश्र भी प्रक्रिया का हिस्सा थे

इन 16 प्रत्याशियों की 11 और 12 अगस्त को अयोध्या में आमने-सामने बातचीत और साक्षात्कार की प्रक्रिया हुई। ट्रस्ट ने स्पष्ट किया कि एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र भी इस प्रक्रिया का हिस्सा थे। उन्होंने 11 अगस्त को पहली पाली में साक्षात्कार दिया था। खोज समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट और अनुशंसाएं एक सितंबर को ट्रस्ट को सौंप दी थीं। इसमें तीन नामों की अनुशंसा की गई थी। इनमें एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र, संजय प्रताप सिंह विश्वास राव और श्रुति भारद्वाज शामिल थे। दो सितंबर को ट्रस्ट की ओर से मीडिया के समक्ष इन नामों की जानकारी दी गई। इसके बाद जितेंद्र मिश्र को मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाए जाने की घोषणा की गई। ट्रस्ट ने कहा कि जितेंद्र मिश्र के साक्षात्कार में शामिल नहीं होने संबंधी दावे तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। शीर्ष तीन अनुशंसित प्रत्याशियों में उनका शामिल होना उनकी भागीदारी, मूल्यांकन और योग्यता आधारित चयन की पुष्टि करता है। ट्रस्ट के मुताबिक, चयन प्रक्रिया का प्रत्येक चरण दस्तावेजीकृत था। अयोध्या में अंतिम चरण में शामिल सभी प्रत्याशियों की पहचान दर्ज की गई थी।

ट्रस्ट तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराता रहेगा

स्वामी गोविंद देव गिरी ने कहा कि ट्रस्ट संस्थागत शासन और पारदर्शिता के उच्च मानकों के अनुरूप चयन प्रक्रिया संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में प्रक्रिया को लेकर कोई सवाल उठता है तो ट्रस्ट तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराता रहेगा।

यूपी में बड़ा हादसा : पेड़ से टकराकर पलटी तेज रफ्तार कार, तीन युवकों की मौत, छह घायल

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि छह घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ के फूलपुर कोतवाली इलाके के जगदीशपुर गांव के पास मंगलवार की भोर में एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद पलट गई।

इस भीषण हादसे में कार में सवार तीन युवकों की मौके पर और उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं, छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों और घायलों के परिजनों में कोहराम मच गया। सीओ फूलपुर किरण पाल सिंह ने बताया कि पंजाब नंबर की स्विफ्ट कार में कुल नौ लोग सवार थे। ये सभी फूलपुर से सरायमीर की ओर जा रहे थे। युवकों ने गणेश प्रतिमा स्थापित की थी और वे रातभर पंडाल में शामिल थे। मंगलवार भोर में करीब साढ़े चार बजे जगदीशपुर के पास यह दुर्घटना हुई।

मृतकों और घायलों की पहचान

इस हादसे में सत्यम मोदनवाल (20) और निखिल गुप्ता (17) की मौके पर ही दुखद मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल लकी सोनकर (19) ने फूलपुर अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में घायल होने वालों में अंश सोनकर (17), अनमोल मोदनवाल (18), किशन मोदनवाल (20), सक्षम बरनवाल (17), अनुराग पांडेय और शगुन उर्फ कौस्तुभ पांडेय शामिल हैं। इन सभी का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

युवक गणेश प्रतिमा स्थापित करने के बाद रातभर पंडाल में मौजूद थे। सुबह करीब साढ़े चार बजे वे पंडाल से लौट रहे थे। जगदीशपुर के पास उनकी तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकराई और फिर पलट गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन युवकों की जान चली गई और अन्य छह गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी किरण पाल सिंह और फूलपुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की आगे की छानबीन कर रही है।

पुण्यतिथि पर वृद्धाश्रम में सेवा कार्य किया

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मानवता को जीवन का आधार मानने वाले स्वर्गीय अशोक कुमार श्रीवास्तव की पांचवीं पुण्यतिथि पर कायस्थ महासभा की ओर से सुक्खीपुर स्थित वृद्धाश्रम में सेवा कार्य किया गया। इस दौरान निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जांच की गई और उनके बीच भोजन एवं दवाओं का वितरण किया गया। चिकित्सा शिविर में डॉ. शशि भूषण ने वृद्धाश्रम में रह रहे 107 वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। चिकित्सक ने वृद्धजनों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनुसार आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया तथा निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराईं। वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी लोगों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। यह पूरा सेवा कार्य स्वर्गीय अशोक कुमार श्रीवास्तव के पुत्र एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, जौनपुर के जिलाध्यक्ष शिवांशु श्रीवास्तव की ओर से कराया गया। अमित श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, , पंकज श्रीवास्तव 'हैप्पी', हरिश्चंद्र श्रीवास्तव, नवनीत श्रीवास्तव, बिजेंद्र खरे, य आलोक श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव 'राजू' समेत महासभा के पदाधिकारी और समाज के लोग मौजूद रहे। सभी ने स्वर्गीय अशोक कुमार श्रीवास्तव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सेवा और मानवता की सहायता से किसी दिवंगत व्यक्ति को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। पुण्यतिथि पर आयोजित सेवा कार्य ने यह संदेश दिया कि अपने प्रियजन की स्मृतियों को केवल श्रद्धांजलि तक सीमित रखने के बजाय समाजहित के कार्यों से भी जीवंत रखा जा सकता है।

घर में घुसा सात फीट लंबा कोबरा, मची अफरा-तफरी, रेस्क्यू कर वन विभाग की टीम ने पकड़ा और जंगल में छोड़ा

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। चंदपा के गांव पाराशर में सोमवार दोपहर एक घर में करीब सात फीट लंबा कोबरा घुस गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर कोबरा को सुरक्षित पकड़ लिया और जंगल में छोड़ दिया।

गांव निवासी सत्यदेव पचौरी परिवार के साथ घर में भोजन कर रहे थे। इस दौरान अचानक कोबरा घर के अंदर घुस आया, जिसे देखकर परिवार के लोग बाहर निकल आए और वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे वन विभाग के भूरी चौधरी और केपी सिंह ने काफी देर की मशक्कत के बाद कोबरा को सुरक्षित पकड़कर थैले में बंद किया और उसे आबादी से दूर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

वन विभाग ने लोगों से अपील की कि घरों और नालियों में साफ-सफाई बनाए रखें, क्योंकि गर्मी और गंदगी के कारण सांप आबादी की ओर आ सकते हैं। यदि घर में सांप दिखाई दे तो स्वयं पकड़ने का प्रयास न करें और तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

मारपीट में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा

जौनपुर। मीरगंज थाना क्षेत्र के गोपालापुर गांव निवासी बालकनाथ पुत्र पुन्नवासी की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी आए दिन पीड़ित के घर पहुंचकर उसकी अविवाहित पुत्री के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करते थे। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर मीरगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।बालकनाथ ने एसपी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि गांव के बाबुलनाथ, मनोज, कुलदीप, मुन्नी देवी और मैना देवी ने पहले एकराय होकर उसके साथ मारपीट की थी। इस मामले में न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि इसी मुकदमे की रंजिश को लेकर आरोपी उसकी पुत्री को आए दिन गाली देते और अपमानित करते थे। पीड़ित के अनुसार वह बकरी चराने गया था। घर पर उसकी अविवाहित पुत्री अकेली थी।

आधी रात को कार से कुचला कारोबारी, लाइव वीडियो मिला, कौरई टोल का सीसीटीवी गायब

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के ट्रांसपोर्टर हत्याकांड की विवेचना में जुटी पुलिस को कार में सवार लोगों की जानकारी के लिए फुटेज नहीं मिल पा रहे है। कौरई टोल के कर्मचारियों ने फुटेज नहीं होने की बात कही है। इस पर पुलिस अन्य स्थानों पर लगे कैमरों के फुटेज जुटाने के प्रयास में लगी है।

मेवाती गली शाहगंज निवासी असगर अली की 4 अप्रैल को कार से टक्कर मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने पहले हादसे की प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में हादसे की धारा को हत्या में तरमीम किया गया। एक आरोपी रवि यादव के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। पीड़ित परिजन ने हत्या की साजिश में एक जीएसटी अधिकारी, उनके पति नगर निगम के अधिकारी सहित अन्य पर शक जताया था। उनकी संलिप्तता की भी जांच जारी है।

मामले में रवि यादव की ओर से कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया। पुलिस की विवेचना पर सवाल उठाए थे। इस पर कोर्ट ने सभी तथ्यों को शामिल करते हुए अग्रिम विवेचना के निर्देश दिए हैं।

पुलिस ने कौरई टोल के फुटेज लेने के लिए कर्मचारियों से संपर्क किया। मगर उनका कहना था कि फुटेज मिल नहीं रहे हैं। सिर्फ टोल से निकलने के दौरान नंबर प्लेट के ही फुटेज दिए गए हैं। इससे यह नहीं पता चल सका कि कार में और कितने लोग सवार थे।

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने फिर से साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। एसीपी गौरव सिंह ने बताया कि घटनास्थल से लेकर हाईवे पर कई जगह पर कैमरे लगे हैं। इन सभी को देखा जा रहा है। जहां भी घटना के दिन के फुटेज मिलेंगे, उन्हें विवेचना में शामिल किया जाएगा।

बार-बार क्लब-पार्टी में जाते हैं तो सेहत को लेकर हो जाएं सावधान, कहीं आपको दिमागी बीमारी न हो जाए?

कंसर्ट में तेज संगीत सुनना कानों की नाजुक कोशिकाओं और सुनने वाली नसों को नुकसान पहुंचा सकता है। कानों में घंटी बजना या आवाज धीमी लगना चेतावनी हो सकती है। शोध में सुनने की क्षमता में कमी को डिमेंशिया के महत्वपूर्ण जोखिम कारकों में शामिल किया गया है।

क्या आप भी क्लब, पार्टी और कंसर्ट के शौकीन हैं, इस तरह के इवेंट्स में अक्सर जाते रहते हैं? अगर हां तो सावधान हो जाइए। डॉक्टरों की टीम ने ऐसे लोगों को अपनी सेहत को लेकर सावधानी बरतते रहने की सलाह दी है। क्लब और कंसर्ट में तेज म्यूजिक, लोगों की भीड़ और गाने की बीट्स के बीच हर कोई खो जाना चाहता है। पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अक्सर इस तरह के माहौल में जाना आपके कानों से लेकर दिमाग तक के लिए खतरा बढ़ाने वाला पाया गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लंबे समय तक तेज आवाज में रहने के बाद कानों में लगातार सीटी या घंटी जैसी आवाज सुनाई देती है, आसपास की आवाज कुछ धीमी लग सकती है या कान कुछ देर के लिए बंद-बंद महसूस हो सकता है, इसे अक्सर सामान्य मान लिया जाता है। पर इस तरह की स्थिति लोगों के लिए मुश्किलों का कारण हो सकती है।

तेज आवाज से कान के साथ ब्रेन को भी खतरा

न्यूरोसर्जन के मुताबिक तेज आवाज के कारण कानों में होने वाली परेशानी को हमेशा हल्के में नहीं लेना चाहिए। कई बार यह कान के अंदर मौजूद बेहद नाजुक कोशिकाओं और नसों पर पड़े दबाव का संकेत हो सकती है, जो आवाज को दिमाग तक पहुंचाने का काम करती हैं। समस्या यह है कि इन कोशिकाओं को एक बार नुकसान पहुंचने के बाद उनके दोबारा ठीक होने की उम्मीद न के बराबर होती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि तेज आवाज के लगातार संपर्क में रहने से सिर्फ सुनने की क्षमता कम नहीं होती है बल्कि इसका असर दिमाग की सेहत पर भी पड़ सकता है।

उम्र बढ़ने के साथ याददाश्त और सोचने-समझने की समस्या और डिमेंशिया को लेकर हुए शोध में सुनने की क्षमता में कमी को एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक के रूप में देखा गया है।

मसलन अगर आपके सुनने की क्षमता कम हो गई है तो इसका असर मस्तिष्क की सेहत को भी प्रभावित करने वाला हो सकता है।

डिमेंशिया का खतरा

अमेरिका की न्यूरोसर्जन डॉक्टर रूपा जुथानी कहती हैं, कंसर्ट या भी क्लब जैसी जगहों पर ईयरप्लग का इस्तेमाल जरूरी है।

डॉक्टर रूपा जुथानी कहती हैं, सुनने की क्षमता में कमी डिमेंशिया के उन जोखिम कारकों में से एक है, जिन्हें बदला या नियंत्रित किया जा सकता है।

तेज आवाज के संपर्क में थोड़े समय के लिए आने से भी कान के अंदर मौजूद बेहद नाजुक नसों और संरचनाओं को नुकसान हो सकता है। ये दीर्घकालिक तौर पर ब्रेन हेल्थ को नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती है।

इसका मतलब है कि कंसर्ट से लौटने के बाद कानों में घंटी या सीटी जैसी आवाज सुनाई देना या कुछ समय के लिए आवाज धीमी सुनाई देना सिर्फ मामूली परेशानी नहीं है।

यह इस बात का शुरुआती संकेत हो सकता है कि कान के अंदर सुनने से जुड़ी नसों को नुकसान पहुंचा है।

तेज आवाज कैसे पहुंचाती है नुकसान

डॉ जुथानी बताती हैं, जब आवाज करीब 85 डेसिबल से ज्यादा हो जाती है, तो कान के अंदर मौजूद कोक्लिया की हेयर सेल्स यानी बेहद छोटी संवेदनशील कोशिकाओं पर दबाव पड़ना शुरू हो जाता है। कोक्लिया कान के अंदर मौजूद संरचना है, जो आवाज को ऐसे संकेतों में बदलती है जिन्हें दिमाग समझ सके। हेयर सेल्स इसी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

तेज आवाज के संपर्क में आने पर सबसे पहले 'टेम्परेरी थ्रेशोल्ड शिफ्ट' हो सकता है। आसान भाषा में इसका मतलब है कि कुछ समय के लिए सुनने की क्षमता कम हो जाना।

इसके साथ कानों में घंटी या सीटी जैसी आवाज यानी टिनिटस भी हो सकता है। आमतौर पर यह स्थिति 16 से 48 घंटे में ठीक हो जाती है। लेकिन इसका ठीक हो जाना यह साबित नहीं करता कि कानों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

क्या कहती हैं डॉक्टर?

डॉ. जुथानी कहती हैं कि सुनने की क्षमता में कमी डिमेंशिया के खतरे को भी बढ़ाने वाली पाई गई है, हालांकि ये ऐसा जोखिम कारक है, जिसे समय रहते नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए कानों की सुरक्षा सिर्फ सुनने की क्षमता तक सीमित नहीं है, बल्कि लंबे समय तक दिमाग को स्वस्थ रखने से भी जुड़ी हो सकती है।

लैंसेट कमीशन ऑन डिमेंशिया की रिपोर्ट में सुनने की क्षमता में कमी को जीवन के मध्य चरण में डिमेंशिया के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक बताया है।

करीब 15 लाख लोगों पर किए गए मेटा-विश्लेषण में पाया गया कि सुनने की क्षमता में हर 10 डेसिबल की कमी के साथ डिमेंशिया का जोखिम 16 प्रतिशत बढ़ सकता है।

इसका मतलब यह नहीं है कि तेज संगीत सुनने वाले हर व्यक्ति डिमेंशिया का शिकार होगा। लेकिन लंबे समय में ये दिमाग की सेहत को नुकसान पहुंचाने वाला हो सकता है।

थाई टूरिस्ट्स के लिए भारत का तोहफा, 30 दिन का ई-टूरिस्ट वीजा फ्री

नए नियम के तहत थाई नागरिक जो पर्यटन के लिए भारत आना चाहते हैं, वे बिना कोई वीजा शुल्क दिए ई टूरिस्ट वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह वीजा 30 दिन तक वैध रहेगा और इस दौरान यात्री दो बार भारत में एंट्री कर पाएंगे। इससे थाई यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में ज्यादा सुविधा मिलेगी।

थाईलैंड में भारतीय दूतावास ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर घोषणा की, "यह घोषणा!" इसके साथ ही उन्होंने मुफ्त वीजा व्यवस्था का विवरण साझा किया था।

थाईलैंड ने भी बदली एंट्री पॉलिसी

यह फैसला ऐसे समय आया है जब थाईलैंड भी भारतीय पर्यटकों के लिए अपनी वीजा छूट नीति में बदलाव कर रहा है। थाईलैंड की नई नीति 15 सितंबर से लागू हो गई है। इसके तहत, सामान्य भारतीय पासपोर्ट धारक पर्यटक वीजा के बिना थाईलैंड जा सकते हैं और 30 दिनों तक वहां रुक सकते हैं।

थाईलैंड के आंतरिक मंत्रालय ने इस नीति की घोषणा की थी। यह दोनों देशों के बीच यात्रा को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारतीय यात्रियों के लिए जरूरी दिशानिर्देश

हालांकि, थाईलैंड में भारतीय दूतावास ने भारतीय यात्रियों को कुछ जरूरी बातें याद दिलाई हैं। यात्रियों के पास कम से कम छह महीने की वैधता वाला पासपोर्ट होना चाहिए। साथ ही, वापसी का कंफर्म टिकट, होटल की बुकिंग और एक स्पष्ट यात्रा कार्यक्रम भी जरूरी है।

थाईलैंड पहुंचने से 72 घंटे पहले थाईलैंड डिजिटल अराइवल कार्ड (TDAC) भरना भी अनिवार्य है। दूतावास ने बताया कि यात्रियों को प्रति व्यक्ति कम से कम 20,000 थाई बात (THB) नकद भी अपने पास रखने चाहिए और इमिग्रेशन जांच के लिए अपने सभी यात्रा दस्तावेज तैयार रखने चाहिए।

मोटे हैं फिर भी पोषण की कमी! पेट भर खाने के बाद क्यों हो रहे विटामिन कम

कुछ लोग ठीक से खाते हैं फिर भी उनके शरीर में पोषक तत्वों की कमी होती है। ज्यादा वजन या मोटापा होने के बाद भी ऐसा होना सवाल उठाता है कि न्यूट्रिएंट्स कम क्यों?

दिन में तीन बार भरपेट खाना, शरीर का वजन बढ़ा हुआ और बाहर से देखने में सबकुछ सामान्य। लेकिन क्या इसके बावजूद शरीर अंदर से पोषण की कमी का शिकार हो सकता है? डॉक्टरों का जवाब है- हां। आज बड़ी संख्या में ऐसे लोग सामने आ रहे हैं, जिनका वजन अधिक है लेकिन शरीर में विटामिन, प्रोटीन, आयरन या दूसरे जरूरी पोषक तत्वों की कमी है। दिल्ली-एनसीआर में 4000 लोगों पर किए गए एक हालिया मेटाबॉलिक हेल्थ अध्ययन में भी ऐसी तस्वीर सामने आई है।

मिलेनियल्स में 55।7 प्रतिशत लोग ओवरवेट या मोटापे से ग्रस्त पाए गए। वहीं, 45 साल या उससे अधिक उम्र के 70।8 प्रतिशत लोगों में विसरल फैट यानी शरीर के अंदर अंगों के आसपास जमा खतरनाक चर्बी का स्तर बढ़ा हुआ था।

दिलचस्प बात यह रही कि अध्ययन में 176 ऐसे लोग भी मिले जिनका BMI सामान्य था, लेकिन उनके शरीर में विसरल फैट अधिक था। डॉक्टरों का कहना है कि यही वजह है कि केवल वजन मशीन या बीएमआई देखकर किसी की पूरी सेहत का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। डॉ। ऐजाज इल्मी (सीनियर कंसल्टेंट एवं हेड, प्रीवेंटिव वेलनेस एंड मेटाबॉलिक डिजीज, पैसिफिक वनहेल्थ हॉस्पिटल) कहते हैं कि पोषक तत्वों की कमी को केवल दुबले-पतले लोगों से जोड़कर देखना सही नहीं है।

ज्यादा कैलोरी, लेकिन पोषण कम

शहरी जीवनशैली में यह समस्या और बढ़ रही है। बाहर का खाना, पैकेज्ड फूड और अधिक कैलोरी वाला भोजन पेट तो भर देता है, लेकिन उसमें अक्सर पर्याप्त प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स नहीं होते। दिल्ली-एनसीआर के वयस्कों पर किए गए एक अध्ययन में शहरी आबादी में विटामिन-डी की गंभीर कमी भी काफी ज्यादा पाई गई थी। पेट के आसपास जमा एक्स्ट्रा फैट और विटामिन डी की कमी के बीच कनेक्शन भी देखा गया।

वजन कम करने के चक्कर में पोषण से समझौता न करें

कनिका मल्होत्रा (डाइटीशियन, पैसिफिक वनहेल्थ हॉस्पिटल) कहती हैं कि वजन घटाने का मतलब केवल खाना कम करना नहीं है। कई लोग तेजी से वजन कम करने के लिए रोटी, चावल या पूरा खाना कम कर देते हैं, लेकिन इस दौरान प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। उनके मुताबिक, रोज के भोजन में अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ शामिल करना जरूरी है। पर्याप्त प्रोटीन, सब्जियां, फल, दालें, साबुत अनाज, फाइबर और जरूरी विटामिन-मिनरल्स शरीर को बेहतर पोषण देने में मदद करते हैं।

सिर्फ वजन नहीं, शरीर की अंदरूनी सेहत भी देखें

डॉक्टरों का कहना है कि अधिक वजन के साथ इंसुलिन रेजिस्टेंस, प्री-डायबिटीज, फैटी लिवर और कोलेस्ट्रॉल की समस्या भी हो सकती है। इसलिए जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल, लिवर हेल्थ और पोषक तत्वों की स्थिति की जांच करानी चाहिए।

भारत में कहां है टॉय सिटी? यहां सालों से बन रहे लड़की के खिलौने

दक्षिण भारत में कई ऐसे टूरिस्ट स्पॉट्स हैं जो अपनी नेचुरल ब्यूटी के लिए जाने जाते हैं। इनमें से कुछ ऐसी जगहें हैं जहां घूमने की वजह बेहद अलग हो सकती है। यहां हम बात कर रहे हैं भारत के टॉय टाउन या टॉय सिटी की। दरअसल, बेंगलुरु और मैसूरु के बीच सफर करते हुए आपको एक ऐसा शहर मिलेगा जहां की दुकानें आपका ध्यान जरूर खींचेंगी।यहां आपको चमकीले लकड़ी के खिलौने, गुड़िया और जानवर सड़क किनारे सजे हुए मिलेंगे।

ये जगह है चन्नापटना, जिसे भारत का "खिलौना शहर" भी कहते हैं। अगर आप यहां जानें का प्लान कर रहे हैं तो चलिए आपको इससे जुड़ी कुछ रोचक बातें बताते हैं। जानें...।

चन्नापटना की पहचान

स्थानीय लोग इसे कन्नड़ में 'गोम्बेगाला ऊरु' कहते हैं, जिसका मतलब है "खिलौनों का शहर"। गूगल आर्ट्स एंड कल्चर के मुताबिक, यहां के कारीगर करीब 300 सालों से लकड़ी के खिलौने बना रहे हैं। इन खिलौनों के चमकीले रंग और चिकनी फिनिश इन्हें दूर से ही पहचान दिलाती है।

पारंपरिक गुड़िया, लट्टू और जानवरों के खिलौने आज भी लोकप्रिय हैं, लेकिन यह कला अब सिर्फ खिलौनों तक ही सीमित नहीं है। आजकल कारीगर उन्हीं तकनीकों का इस्तेमाल करके गहने, कटोरियां, कोस्टर, लैंप और सजावटी सामान भी बना रहे हैं।

कैसे शुरू हुई ये परंपरा

चन्नापटना में खिलौना बनाने की परंपरा की एक पुरानी कहानी टीपू सुल्तान से जुड़ी है। 18वीं सदी के मैसूर के शासक टीपू सुल्तान को एक बार फारसी लाख का खिलौना मिला था। दस्तकारी हाट समिति के अनुसार, उन्हें उसकी कारीगरी बहुत पसंद आई थी। स्थानीय लोग बताते हैं कि उन्होंने फारसी कारीगरों को बुलाया और उन्हें अपनी कला यहां के शिल्पकारों को सिखाने को कहा।

जापान से आया नया रंग

समय के साथ, यह कला चन्नापटना से जुड़ गई और पीढ़ियों तक चलती रही। कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। 1904 में, मैसूर के महाराजा ने एक स्थानीय कारीगर, मियां बावास्मिया को लाख वेयर तकनीक सीखने के लिए जापान भेजा। वापस आकर उन्होंने चन्नापटना के बाकी कारीगरों को प्रशिक्षित किया। इससे इस उद्योग को बढ़ने में मदद मिली। इन प्रभावों ने इस कला को आज का रूप दिया।

GI टैग और बदलते दौर के खिलौने

चन्नापटना की खिलौना बनाने की विरासत को आधिकारिक पहचान भी मिली है। 2006 में, चन्नापटना खिलौनों और गुड़ियों को ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (GI) टैग मिला। यह टैग इस कला को इस क्षेत्र का एक अनूठा उत्पाद मानता है। आज भी, यह शहर खिलौना बनाने वालों का एक बड़ा केंद्र है। क्लासिक लकड़ी के खिलौनों के साथ, कई वर्कशॉप अब आधुनिक खरीदारों के लिए घर की सजावट का सामान, खेल और गहने भी बनाते हैं।

चन्नापटना में रुकना सिर्फ खरीदारी से बढ़कर है। यह यात्रियों को एक ऐसी कला की झलक देता है जो सदियों से चली आ रही है और समय के साथ खुद को बदलती भी रही है।

डिजिटल पेमेंट: सरकार का बड़ा एलान- ₹2000 तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा

डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने की पहल के तहत सरकार ने बड़ा एलान किया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक 2,000 रुपये तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

केंद्र सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि 2,000 रुपए तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर बैंक किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लगा सकेंगे। इसी तरह, रुपे डेबिट कार्ड के जरिए 2,000 रुपए तक किए गए भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के अनुसार, रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन को आधिकारिक रूप से 'इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यम' के रूप में अधिसूचित किया गया है।

किस कानून के तहत फैसला लिया गया?

अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली संचालक इन माध्यमों से भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार का शुल्क नहीं वसूल सकता। सरकार ने यह फैसला पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 के तहत अधिकारों का उपयोग करते हुए लिया है।उद्योग-अर्थ जगतः त्योहारों पर 100 से अधिक स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी, किन राज्यों को लाभ मिलने के आसार?

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क नहीं, सरकार ने दूर किया भ्रम

वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले संभावित शुल्कों को लेकर बनी भ्रम की स्थिति को दूर करना है। पिछले महीने भी केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि आम उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई के माध्यम से किए जाने वाले व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) भुगतान पूरी तरह मुफ्त रहेंगे।

व्यापारियों से जुड़ी नीति पर क्या है सरकार का रुख?

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने शुल्क नहीं लेने का फैसला लेते हुए कहा था कि व्यापारियों (मर्चेंट्स) पर भी कोई व्यापक रूप से लागू होने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लगाया जाएगा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यदि भविष्य में एमडीआर लागू किया भी जाता है, तो वह केवल कुछ विशेष श्रेणी के व्यापारी लेनदेन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि वाले भुगतानों पर और बेहद मामूली दर पर ही लागू होगा।

स्पष्टीकरण की जरूरत क्यों पड़ी?

सरकार ने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में भी शुल्क डेबिट या क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर लगने वाले एमडीआर की तुलना में काफी कम होगा। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब हाल ही में पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में किए गए संशोधनों के बाद यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने की आशंकाओं को लेकर चर्चा चल रही थी। ऐसे में अब सरकार ने तस्वीर साफ कर दी है कि 2,000 रुपए तक के यूपीआई भुगतान और रुपे डेबिट कार्ड से किए गए भुगतान पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

उद्योग-अर्थ जगतः त्योहारों पर 100 से अधिक स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी, किन राज्यों को लाभ मिलने के आसार

भारतीय रेल ने आगामी त्योहारी सीजन की भीड़ को देखते हुए 100 विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें बिहार, प. बंगाल, असम और उत्तर प्रदेश के कई व्यस्त रूटों पर चलाई जाएंगी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, दुर्गापूजा, दिवाली व छठ के दौरान नई ट्रेनें चलाने के अलावा नियमित ट्रेनों में भी अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे ताकि यात्रियों को आसानी से आरक्षित सीटें मिल सके। साथ ही ऑनलाइन टिकट बुकिंग साइटों के सर्वर भी मजबूत किए गए हैं ताकि यात्रियों को आसानी से टिकट बुकिंग सुविधा मिल सके।

पुरानी ट्रेनें भी 160 की स्पीड से दौड़ेंगी

भारतीय रेलवे यात्री ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत 6,000 हॉर्सपावर के नए और कम ऊर्जा खपत वाले इंजन खरीदे जाएंगे। इन्हें ट्रेन के आगे और पीछे लगाया जाएगा। दोनों इंजन मिलकर 12,000 हॉर्सपावर की ताकत देंगे। इससे ट्रेन 160 किमी प्रति घंटे दौड़ सकेगी।

चौथे दिन भी चीनी का भाव 60 से कम

देशभर में चीनी की औसत खुदरा कीमत लगातार चौथे दिन 60 रुपये प्रति किलोग्राम से कम रही। हालांकि, त्योहारों से जुड़ी मांग के कारण कुछ क्षेत्रों में कीमतों पर बढ़ने का दबाव बना हुआ है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, चीनी की औसत खुदरा कीमत सोमवार को 59.57 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जो एक दिन पहले 58.99 रुपये प्रति किलोग्राम थी। शुक्रवार को चीनी की कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गई थी और पिछले तीन दिनों में इसमें और नरमी आई है।

ओम्निया होल्डिंग्स को खरीदेगी सोलर इंडस्ट्रीज

सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया ने करीब 1.355 अरब डॉलर (12,951 करोड़ रुपये) के पूर्ण नकद सौदे में दक्षिण अफ्रीका की कंपनी ओम्निया होल्डिंग्स लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। सोलर इंडस्ट्रीज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सोलर एसए इन्वेस्टमेंट्स प्रोपराइटरी ने कहा कि उसने अंतिम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके तहत सोलर एसए इन्वेस्टमेंट्स प्रोपराइटरी लिमिटेड (सोलर एसए) पूर्ण नकद सौदे में ओम्निया के सभी बकाया शेयर का अधिग्रहण करेगी।

रिलायंस एमईटी सिटी को मिला नया नेतृत्व, मनीष जायसवाल बने मुख्य कार्यकारी अधिकारी

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप लिमिटेड (एमईटीएल) ने एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की है। कंपनी ने मनीष जायसवाल को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति रिलायंस एमईटी सिटी के अगले विस्तार चरण के लिए एक रणनीतिक कदम है। जायसवाल के पास 20 साल से अधिक का व्यापक अनुभव है।

एमईटीएल हरियाणा के झज्जर में 8,250 एकड़ में फैली 'रिलायंस एमईटी सिटी' का विकास कर रही है। यह एक बड़ी एकीकृत टाउनशिप है। मनीष जायसवाल अपनी नई भूमिका में रिलायंस एमईटी सिटी के समग्र कारोबार और वृद्धि रणनीति का नेतृत्व करेंगे। उनकी जिम्मेदारियों में औद्योगिक, आवासीय और वाणिज्यिक विकास को आगे बढ़ाना शामिल है। वह नए निवेश और विभिन्न कारोबारों को आकर्षित करने पर भी ध्यान देंगे। जायसवाल विकास पाइपलाइन को मजबूत करेंगे। साथ ही, वह विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करेंगे। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। एमईटीएल में शामिल होने से पहले, जायसवाल एल्डेको ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे।

मनीष जायसवाल के पास 20 साल से अधिक का अनुभव है। उन्होंने एल्डेको ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य किया है। एमईटीएल के पूर्णकालिक निदेशक श्रीवल्लभ गोयल ने जायसवाल की नियुक्ति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अनुभव विकास, रणनीतिक साझेदारी और राजस्व सृजन में रहा है। ब्रांडेड रियल एस्टेट में भी उनकी गहरी समझ है। यह अनुभव उन्हें रिलायंस एमईटी सिटी के अगले विस्तार चरण का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त बनाता है। रिलायंस एमईटी सिटी हरियाणा के झज्जर में 8,250 एकड़ के विशाल क्षेत्र में विकसित की जा रही है। यह एक एकीकृत टाउनशिप है। इसमें औद्योगिक, आवासीय और वाणिज्यिक सभी प्रकार के विकास शामिल हैं। यह टाउनशिप एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करती है। वर्तमान में, 12 देशों की 650 से अधिक कंपनियों ने यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इनमें कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेट शामिल हैं। मनीष जायसवाल रिलायंस एमईटी सिटी के लिए समग्र कारोबार और वृद्धि रणनीति का नेतृत्व करेंगे।

सऊदी में बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से ताबड़तोड़ हमले कर रहा हूती, कितना नुकसान हुआ?

यमन। यमन के ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर सऊदी अरब पर धावा बोल दिया। हूतियों ने सऊदी के दक्षिण पश्चिमी इलाकों समेत खमीस और मुशैत में एक के बाद एक कई मिसाइल और ड्रोन दागे हैं, जिसमें सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया गया। इन हमलों में 13 आम नागरिक जख्मी हुए हैं। वहीं सऊदी ने अपने तीन शहर खमीस मुशैत (Khamis Mushait), आभा (Abha) और ताइफ (Taif) में इमरजेंसी अलर्ट जारी कर दिया है।हूतियों ने सऊदी अरब के खमीस मुशैत , आभा और ताइफ शहरों में नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया। यमन में वैधता का समर्थन करने वाले गठबंधन ने मंगलवार को बताया कि सऊदी अरब के तीन शहरों पर हूती विद्रोहियों के हमलों में 13

नागरिक घायल हो गए।इन हमलों में सात घरों और दो वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है।

गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल मलिकी ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने सोमवार को खमीस मुशैत , आभा और ताइफ में नागरिक इलाकों को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे। उन्होंने कहा कि हमलों में 13 नागरिक घायल हुए हैं। इन हमलों में आम नागरिकों को मामूली से लेकर मध्यम स्तर की चोटें आईं हैं।

हूती विद्रोहियों की तरफ से हमले जारी

अल-मलिकी ने कहा कि हूती विद्रोहियों की तरफ से लगातार जानबूझकर और बार-बार किए जा रहे हमले उनके बढ़ते आक्रामक रुख को दिखाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हूती लगातार नागरिकों और नागरिक ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51, आत्मरक्षा के सिद्धांत और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुसार सऊदी संप्रभुता, नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए हमलों का जिम्मेदारीपूर्वक और दृढ़ता से जवाब देगा।

'हमलों को रोकने उठाएंगे जरूरी कदम'

अल-मलिकी ने आगे कहा कि गठबंधन भविष्य में होने वाले हमलों को रोकने के लिए सभी जरूरी सैन्य और परिचालन कदम उठाएगा। साथ ही हूती विद्रोहियों की तरफ से की जा रही शत्रुतापूर्ण गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

छह इलाकों में टला खतरा

इधर सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि अब खतरा टल गया है। डिफेंस ने घोषणा की है कि जेद्दा, यानबू, ताइफ़, अल-उला, आभा और जाज़ान इन छह इलाकों में खतरा टल गया है। हालांकि इसके बाद भी लोगों से एहतियात बरतने को कहा गया है।

नागरिकों से की ये अपील

एक अन्य बयान में अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन जारी रखने की अपील की है। इसके साथ ही, लोगों से इलाके में भीड़ लगाने या वहां वीडियो बनाने से बचने और किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तुरंत देने का आग्रह किया है।

2 बच्चों समेत 3 की मौत

हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिमी ताइफ़ प्रांत के धुबाब और मकबाना जिलों पर हुए इन हमलों में दो अन्य लोग घायल भी हुए। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार से जुड़े सशस्त्र बलों ने हूती विद्रोहियों से कुछ ठिकानों को वापस अपने कब्जे में ले लिया है। प्रांत में संघर्ष तेज होने के बीच सरकारी बल अब आगे बढ़ रहे हैं।

ट्रंप ने अपने पसंदीदा सिंगर की पत्नी को बनाया राजदूत उम्मीदवार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पसंदीदा और मशहूर देशभक्ति गीत 'गॉड ब्लेस द यूएसए' के सिंगर ली ग्रीनवुड की पत्नी किम्बर्ली ग्रीनवुड को बारबाडोस और पूर्वी कैरेबियाई देशों के लिए अमेरिकी राजदूत के पद के लिए नामित किया है। ट्रंप प्रशासन ने किम्बर्ली के अलावा और भी कई अन्य राजदूत पदों के लिए नामित लोगों की लिस्ट अमेरिकी सीनेट के पास भेजी है। किम्बर्ली ग्रीनवुड की नियुक्ति के लिए अब सीनेट की मंजूरी जरूरी होगी। अगर अमेरिकी सीनेट से मंजूरी मिल जाती है, तो किम्बर्ली बारबाडोस के साथ-साथ सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट लूसिया, एंटीगुआ और बारबुडा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनेडाइंस जैसे कैरेबियाई देशों में एक साथ अमेरिकी राजदूत के रूप में सेवाएं देंगी। सोमवार को, किम्बर्ली ग्रीनवुड ने इंस्टाग्राम पर अपने पति ली ग्रीनवुड और ट्रंप के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की और राष्ट्रपति को नामांकन के लिए धन्यवाद दिया।उन्होंने लिखा 'राष्ट्रपति महोदय, मुझ पर विश्वास करने और मुझे सेवा करने का यह असाधारण अवसर सौंपने के लिए धन्यवाद'। किम्बर्ली के पति ली ग्रीनवुड डोनाल्ड ट्रंप के पसंदीदा गायकों में से एक हैं। उनका मशहूर देशभक्ति गीत सालों से राजनीतिक कार्यक्रमों में ट्रंप का पसंदीदा गीत रहा है। ट्रंप ने ली ग्रीनवुड के साथ व्यापार भी शुरू किया था और उनके साथ मिलकर 'गॉड ब्लेस द यूएसए बाइबल' की बिक्री भी की है, जिसकी कीमत 59।99 डॉलर रखी गई थी। ली ग्रीनवुड, ट्रंप के सबसे मुखर समर्थकों में से एक हैं। उनका गाना 'गॉड ब्लेस द यूएसए' सालों से ट्रंप की राजनीतिक रैलियों और कार्यक्रमों में मंच पर एंट्री करने का मुख्य थीम सॉन्ग रहा है।

हूती ने बढ़ाया तेल संकट, दोनों समुद्री चोक पॉइंट ठप... इजराइल से मांगी मदद!

तेल अवीव, एजेंसी। होर्मुज से बाब अल-मंदेब तक बारूदी बरसात हो रही है। लाल सागर से लेकर फारस की खाड़ी तक, दुनिया के दोनों सबसे बड़े समुद्री चोक पॉइंट पूरी तरह ठप होने की कगार पर हैं। सऊदी अरब का बैकअप ऑयल रूट ध्वस्त हो चुका है और यमन के हूती विद्रोहियों के कब्जे से ग्लोबल एनर्जी सप्लाई पर अब तक का सबसे बड़ा संकट मंडरा रहा है। कच्चे तेल की कीमतें $108 के पार पहुंच गई हैं और रियाद पर इतिहास का सबसे बड़ा सुरक्षा संकट आ खड़ा हुआ है। पूरा पश्चिम एशिया धधकता हुआ ज्वालामुखी बन चुका है। जिसमें कभी भी विस्फोट हो सकता है।

दुनिया के नक्शे पर वो दो समुद्री रास्ते- जहां से वैश्विक कच्चे तेल का 30 फीसदी से ज्यादा हिस्सा गुजरता है। आज दोनों बारूद के ढेर पर हैं। ईरान अमेरिका की जंग की वजह से फारस की खाड़ी में होर्मुज स्ट्रेट पर पहले ही ताला लटका हुआ है। सऊदी

अरब ने अपने तेल को सुरक्षित बेचने के लिए अपनी ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए लाल सागर का रुख किया था। लेकिन अब वो भी हूती के हमलों की भेंट चढ़ चुकी है। और बाब अल-मंदेब को हूती ने अपने निशाने पर ले लिया है। दक्षिण-पश्चिमी यमन में हूती विद्रोहियों ने मोखा बंदरगाह और मईयून द्वीप पर कब्ज़ा कर लाल सागर के मुहाने यानी बाब-अल-मंदेब को पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया है। यानी हूती ने अरब को हमलों से धधकाया दिया है। लेकिन दुनिया को तेल संकट की आग में भी झोंक दिया है। नतीजा ये है कि सऊदी अरब का बैकअप प्लान भी ध्वस्त हो गया है और दुनिया पर 1973 के बाद का सबसे बड़ा ग्लोबल ऑयल क्राइसिस छा गया है।

हमले में अरामको का फ्यूल डिपो नष्ट

सऊदी की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर जो तबाही मची है उसे सैटेलाइट तस्वीरों से साफ समझा जा सकता है। हमले में अरामको का फ्यूल डिपो नष्ट हो गया। सैटेलाइट तस्वीरों के मुताबिक 6 फ्यूल स्टोरेज टैंक पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। हमले में पंपिंग स्टेशन को भी नुकसान हुआ है। पंपिंग स्टेशन पूरी तरह झुलसा और काला दिखाई दे रहा है। हमले के बाद कई हिस्सों में आग लग गई है। ये पाइपलाइन सऊदी अरब के लिए होर्मुज को बाईपास करने का एकमात्र सबसे बड़ा जरिया थी। जिससे रोजाना 40 से 50 लाख बैरल तेल सप्लाई हो रही थी, जो अब बंद है। इसके बंद होने से दुनिया की लगभग 4 से 5 प्रतिशत तेल आपूर्ति खतरे में आ गई है। जिसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतें बढ़कर $108 से $110 प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं।

ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन बंद, कच्चे तेल की कीमत में उछाल

यमन की जमीन पर इस वक्त आर-पार की जंग छिड़ी हुई है। हूती के मोखा और बाब अल-मंदेब के मईयून द्वीप पर नियंत्रण करने के बाद सऊदी अरब और यमन की सरकारी सेना ने व्यापक हवाई हमले शुरू कर दिए है। सऊदी के निशाने पर मारिब है, जो यमन के अहम तेल और गैस उत्पादक केंद्र है। जिस पर लगभग हूती का कब्जा है। मारिब में हूती विद्रोहियों के बख्तरबंद वाहनों BMP पर हवाई और ड्रोन हमले किए। जिसमें हूती की आर्टिलरी पोस्ट और कम्युनिकेशन सिस्टम को नष्ट कर दिया। दूसरी तरफ ताइज पर सऊदी विमानों और यमनी वायुसेना भीषण हवाई हमले किए। ताइज-मोखा मार्ग पर हथियार ले जा रहे हूती सैन्य काफिलों और मिसाइल लॉन्चरों को निशाना बनाया गया। इस हमले का मकसद हूती को तटीय इलाकों की तरफ बढ़ने से रोकना है।

बैलिस्टिक मिसाइलों और FPV ड्रोनों की बौछार

हूती के गढ़ सादा पर भी सऊदी अरब ने हमले किए। सऊदी अरब सादा में हूती के मिसाइल लॉन्चिंग पैड को ध्वस्त करना चाहती है। सादा प्रांत सऊदी अरब की दक्षिणी सीमा से सटा हुआ है। इन हमलों का अहम टारगेट हूती के बंकरों, हथियार डिपो और कमांड सेंटरों को तबाह करना था। लेकिन जवाब में हूती भी खामोश नहीं हैं। हूतियों ने सऊदी अरब के सीमावर्ती इलाकों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और FPV ड्रोनों की बौछार कर दी।

हूती विद्रोहियों ने अरामको ऑयल फैसिलिटी को बनाया निशाना

सऊदी अरब के दक्षिणी सीमावर्ती प्रांत जाजान में हूती ने भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए। हूती विद्रोहियों ने अरामको ऑयल फैसिलिटी को निशाना बनाया। हमलों के बाद तेल डिपो में भीषण आग लग गई। सऊदी अरब के खमीस मुशैत और आभा शहरों में कई धमाके किए। जिसमें मस्जिद, कई रिहायशी इमारतों और गाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा। 70 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हूती ने एक बड़ा ऑपरेशन चलाते हुए दक्षिणी सऊदी अरब के नजरान में शरूराह बेस को निशाना बनाया। सऊदी सेना के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और हथियार डिपो को ड्रोन हमलों से तबाह कर दिया।

बड़ी जंग की तैयारी के लिए रूस से मंगा रहा ड्रोन

जंग होर्मुज से लाल सागर तक फैल चुकी है। यानी दोनों चोक पॉइंट बंद हो गए हैं। क्योंकि आज फिर अमेरिका ने ईरान के एक जहाज पर हमला किया है। बदले में ईरान ने इराक के कुर्दिस्तान को टारगेट किया है। इराक के कुर्दिस्तान इलाके में अलेप्पो, शाहजोर और जारगोज में धमाके हुए हैं। ईरान ने सुलेमानिया में अलगाववादी आतंकवादियों के मुख्यालय पर मिसाइल हमले को अंजाम दिया है।इस दोहरी जंग की वजह से तेल के दाम आसमान छू रहे हैं और ईरान अब बड़ी जंग की तैयारी के लिए रूस से ड्रोन मंगा रहा है।

सऊदी अरब ने इजराइल से मांगी मदद

अमेरिका की तरफ से सीधे जमीनी हस्तक्षेप से पीछे हटने के बाद सऊदी अरब ने इजराइल से मदद मांगी है। हालांकि सऊदी सरकारी टीवी के मुताबिक इलाके में बढ़ते तनाव के बीच सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने जेद्दा में CENTCOM चीफ से मुलाकात की है। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर बाब अल-मंदेब पर हूतियों का कब्ज़ा लंबा खींचता है, तो न केवल खाड़ी देशों का तेल निर्यात पूरी तरह ठप हो जाएगा। बल्कि यूरोप और एशिया के बीच की सप्लाई चेन भी टूट जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर की हवा बिगड़ने का डर, केंद्र ने स्कूलों से कहा- नवंबर-दिसंबर में खेल आयोजन टालें

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे दिल्ली-एनसीआर सर्दियों के मौसम की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे यहां की हवा के खराब होने की आशंका भी बढ़ती जा रही है। पिछले कई सालों की तरह इस बार भी इस दौरान हवा की क्वालिटी में खासी गिरावट की संभावना है। ऐसे में ऐतिहातन केंद्र सरकार ने संबंधित राज्य सरकारों को सलाह दी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि साल के आखिरी 2 महीनों में स्कूल में किसी तरह की कोई फिजिकल स्पोर्ट्स एक्टिविटी या प्रतियोगिता का आयोजन न किया जाए।

केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के तहत एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन (CAQM) के जरिए संबंधित सरकारों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे कार्यक्रमों को री-शेड्यूल करने या छात्रों को सही समय पर ऐसी एक्टिविटीज में शामिल होने के वैकल्पिक मौके देने के तरीकों पर विचार करें, ताकि उनकी सेहत या पढ़ाई पर किसी तरह का कोई बुरा असर न पड़े। वायु प्रदूषण के चलते नवंबर और दिसंबर में होने वाली फिजिकल और स्पोर्ट्स कार्यक्रम को को स्थगित करने के निर्देश दिए।

दिल्ली-एनसीआर में नवंबर और दिसंबर में खराब वायु गुणवत्ता के दौरान खेल प्रतियोगिताओं से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर की आशंका है। इस दौरान इस क्षेत्र हवा का स्तर काफी नीचे गिर जाता है, और घर से बाहर निकलने में सांस से जुड़ी तकलीफों का सामना भी करना पड़ता है। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने CAQM से दिल्ली-NCR के स्कूलों को उचित दिशा-निर्देश जारी करने को कहा था।

CAQM ने पिछले साल 19 नवंबर को दिल्ली-NCR के संबंधित विभागों और हितधारकों के साथ मामले को लेकर तत्काल बैठक की थी। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग और शिक्षा मंत्रालय के साथ-साथ NCR में आने वाली राज्य सरकारें, GNCTD, भारतीय खेल प्राधिकरण, NCR SPCBs और DPCC के प्रतिनिधि शामिल हुए।

हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को भी पत्र

इस संबंध में CAQM ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सरकारों को पत्र लिखा है। गौरतलब है कि हर साल, खासकर सर्दियों के दौरान, कई कारणों से इन क्षेत्रों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत को गंभीर खतरा हो जाता है। हवा के स्तर में खतरनाक कमी के अहम कारणों में पराली जलाना, गाड़ियों से निकलने वाला धुआं और औद्योगिक प्रदूषण शामिल होता है। NCAQM राज्य सरकारों और उनके संबंधित विभागों के साथ मिलकर इस समस्या से निपटने के लिए कई सुधारात्मक उपाय कर रहा है। इस साल, इसने सितंबर से एक सघन सूचना, शिक्षा और संचार अभियान शुरू किया है, जो अगले साल मार्च तक चलेगा।

बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं... यौन शोषण मामलों की जानकारी देने पर राजी हुआ मेटा

नई दिल्ली, एजेंसी। फेसबुक प्लेटफॉर्म 'मेटा' बच्चों के यौन शोषण के मामलों की जानकारी कानून लागू करने वाली एजेंसियों को देने पर सहमत हो गया है। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। यह प्लेटफॉर्म को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार का कहना है कि ऑनलाइन बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है कि जब सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही बढ़ाने पर जोर दे रही है। यह पहला कदम है और अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सरकार ऐसे कंटेंट की पहचान करने और उसे हटाने के लिए दूसरे प्लेटफॉर्म के साथ भी लगातार काम कर रही है।

भारत सरकार नुकसानदायक जानकारी को रोकने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ लगातार बातचीत कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, मेटा बच्चों के यौन शोषण से संबंधित जानकारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देगी। साथ ही इससे जुड़े हानिकारक कंटेंट की पहचान और उसे हटाने के लिए खुद से जरूरी कदम उठाने को कहा जा रहा है।

भारत में किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के काम करने के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा एक बुनियादी सिद्धांत है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सूत्रों के मुताबिक, सरकार अब उन प्लेटफॉर्म के खिलाफ कार्रवाई करेगी जो बच्चों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाते हैं।

नई नवेली का टीजर: डायन भाभी बनकर आईं यामी गौतम, पहली बार दिखा सबसे अलग रूप

अभिनेत्री यामी गौतम एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार उनका अंदाज अब तक की भूमिकाओं से काफी अलग नजर आने वाला है। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'नई नवेली' का आधिकारिक टीजर जारी कर दिया गया है। टीजर सामने आते ही फिल्म की कहानी और यामी के रहस्यमय किरदार को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है।

फिल्म का निर्माण कलर येलो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने मिलकर किया है। इसका निर्देशन बालाजी मोह ने किया है, जबकि फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है।

'नई नवेली' की कहानी एक ऐसी नवविवाहिता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी के बाद एक सामान्य परिवार में नई बहू बनकर आती है। शुरुआत में सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन जल्द ही कहानी रहस्य और रोमांच की ओर मुड़ जाती है।

टीजर की शुरुआत मेरठ के एक साधारण परिवार से होती है। परिवार में नई बहू के रूप में यामी गौतम का प्रवेश होता है। उनके आने से घर में खुशियों का माहौल दिखाई देता है, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर तक कायम नहीं रहती।

कहानी में उस समय बड़ा मोड़ आता है, जब घर का छोटा बेटा अपनी भाभी पर ही डायन होने का आरोप लगा देता है। इसके बाद यामी गौतम का एक ऐसा रूप सामने आता है, जो उनके अब तक निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग दिखाई देता है।

टीजर में उनके किरदार के पीछे छिपी रहस्यमय शक्तियों और अनदेखे राज की झलक भी देखने को मिलती है। यही रहस्य फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने वाला प्रमुख आधार नजर आता है।

फिल्म में यामी गौतम के साथ सुनीता राजवार और मीता वशिष्ठ समेत कई अनुभवी कलाकार नजर आएंगे। कलाकारों की मौजूदगी से फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

यामी इससे पहले भी अलग-अलग तरह की भूमिकाओं में अपनी अभिनय क्षमता साबित कर चुकी हैं। ऐसे में 'नई नवेली' में उनके नए और रहस्यमय रूप को देखने के लिए दर्शकों में खास उत्सुकता है।

'नई नवेली' को दशहरे के अवसर पर 16 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की कहानी में पारिवारिक माहौल, रहस्य, डर और हास्य का मिश्रण देखने को मिलने की उम्मीद है।

टीजर ने यह संकेत दे दिया है कि फिल्म एक साधारण परिवार की कहानी से शुरू होकर जल्द ही असाधारण घटनाओं की ओर बढ़ेगी। अब दर्शकों को फिल्म की पूरी कहानी और यामी गौतम के रहस्यमय किरदार से पर्दा उठने का इंतजार है।

बतौर निर्माता डोंट बी शाय को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं आलिया भट्ट

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रोड्यूस आगामी फिल्म डोंट बी शाई को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि वह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, नहीं, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।

आलिया ने फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने से उन्हें एक अलग तरह की खुशी मिली है, क्योंकि वह शुरू से ही इसकी कहानी और इसकी दुनिया बनाने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, 14 साल पहले मैंने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से एक एक्टर के तौर पर अपना डेब्यू किया था और अब इतने सालों बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस कर रही हूं और मैं अभी उनसे कहीं ज्यादा नर्वस हूं।

क्योंकि, आपके सवाल का जवाब दूं तो, मुझे एक एक्टर होना और कैमरे के सामने रहना पसंद है, लेकिन एक प्रोड्यूसर होने का एक अलग ही तरह का सुकून है। एक्ट्रेस ने आगे कहाः जब फिल्म की निर्देशक श्रीति मुखर्जी हमारे पास इस मूवी बनाने का आइडिया लेकर आईं, तो हमने ही कहा कि चलो इसे साथ में करते हैं और फिर हम इसे अपने प्यारे पार्टनर्स के पास ले गए।

यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है और हर कोई इससे जुड़ पाएगा। श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म डोंट बी शाय 20 साल की लड़की श्यामिली शाइ दास की कहानी है, जो मानती है कि उसने ज़िंदगी को समझ लिया है, लेकिन वह देखती है कि उसकी सोची-समझी जिंदगी एक अचानक मोड़ ले लेती है, क्योंकि सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है। इसमें आरुषि बजाज, पीयूष खाती, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल जैसे नए चेहरे मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ कुणाल रॉय कपूर और नेहा धूपिया भी नजर आएंगे। 25 सितंबर 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।

रवि तेजा फिल्म इरुमुडी की ओटीटी रिलीज कंफर्म, 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

रवि तेजा पिछले दिनों अपनी फिल्म इरुमुडी को लेकर चर्चा में थे, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तबाड़तोड़ कमाई की थी और ये उनके करियर की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म साबित हुई थी। ऐसे में अब 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने के बाद इस फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट भी कंफर्म हो गई है। चलिए बताते हैं इसे आप कब और कहां देख सकते हैं।

दरअसल, इरुमुडी की ओटीटी रिलीज के बारे में ऑफिशियल ऐलान किया जाता कि उससे पहले ही इसका ओटीटी पर नोटिफिकेशन आने लगा है। फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा और ये वहां पर नोटिफाई के लिए शो भी होने लगी है। मूवी को अपकमिंग रिलीज की लिस्ट में है। इसे अगले हफ्ते यानी कि 18 सितंबर, शुक्रवार को स्ट्रीम किया जा सकेगा। हालांकि, इसे कितनी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन ये जरूर कंफर्म हो गया है कि फिल्म शुक्रवार को ओटीटी पर आ रही है।

गौरतलब है कि तेलुगु फिल्म इरुमुडी ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा खासा प्रदर्शन किया था। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का बजट 35 करोड़ था जबकि सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 229.25 करोड़ और इंडिया नेट कलेक्शन 178.05 करोड़ रहा था। इतना ही नहीं, इसने ओवरसीज में 22.40 करोड़ का कलेक्शन किया था।

अब 35 करोड़ बजट और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 229.25 करोड़ के लिहाज से फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 555त्न प्रॉफिट कमाया था। इसी के साथ ही ये रवि तेजा की मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म साबित हुई थी। ये उनके करियर की सबसे ज्यादा प्रॉफिट कमाने वाली फिल्म बन चुकी है।

इसके अलावा, इरुमुडी रवि तेजा की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म भी बनी और ये प्रॉफिट कमाने के मामले में उनकी सबसे ज्यादा फायदा कमाने वाली फिल्म रही।

बहरहाल, तेलुगु फिल्म इरुमुडी के बारे में बात करें तो ये एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें माइथोलॉजिकल एंगल दिया गया है। फिल्म में रवि तेजा लीड रोल में हैं और प्रिया भवानी शंकर ने लेडी लव का रोल प्ले किया है। इस फिल्म में पिता और बेटी की बेहतरीन कहानी को दिखाया गया है। इसे सिनेमाघरों में 21 अगस्त, 2026 को रिलीज किया गया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com